सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 259 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 02 जुलाई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

■ हमारी सरकार का उद्देश्य केवल सेवाओं की पहुंच बढ़ाना नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देना है: स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

■ राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर मुख्यमंत्री साय ने कोविड महामारी में दिवंगत 14 चिकित्सकों के परिजनों का किया सम्मान

■ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 109 संविदा चिकित्सकों एवं 563 अनुबंधित चिकित्सकों को नियुक्ति व पदस्थापना आदेश जारी

चिकित्सकों की अटूट सेवा भावना का स्वस्थ छत्तीसगढ़ के निर्माण में है अटूट योगदान- सीएम साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। चाहे कोरोना महामारी का संकट रहा हो या दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की चुनौती, हमारे डॉक्टरों ने हर परिस्थिति में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। उन्होंने अपने जीवन की परवाह किए बिना, सेवा को धर्म मानकर कार्य किया है। हम उन महान लोगों को कभी नहीं भूल सकते जिन्होंने कोरोना जैसी बड़ी महामारी के दौरान अपना फर्ज निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। हमारी सरकार का उद्देश्य केवल सेवाओं की पहुंच बढ़ाना नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा राजधानी रायपुर स्थित स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम, मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही।

इस अवसर पर कोविड-19 के दौरान सेवा देते हुए वीरगति को प्राप्त हुए 14 चिकित्सकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं उनके परिजनों को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया।

डॉक्टरों का जीवन आसान नहीं होता-सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन न केवल चिकित्सा समुदाय के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि छत्तीसगढ़ राज्य निरंतर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूता रहेगा। श्री साय ने कहा कि हम सब जानते हैं कि डॉक्टरों का जीवन आसान नहीं होता। कठिन परिश्रम, लंबी ड्यूटी और मानसिक तनाव उनके दैनिक जीवन का हिस्सा हैं। फिर भी वे अपनी जिम्मेदारी से कभी पीछे नहीं हटते। उनके साहस और समर्पण के कारण हमारा समाज सुरक्षित और स्वस्थ रहता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आपके परिश्रम से ही हम एक स्वस्थ, सक्षम और सशक्त छत्तीसगढ़ का निर्माण कर सकते हैं। आज मैं केवल आप सभी को धन्यवाद देने नहीं आया हूं, बल्कि यह आश्वस्त करने भी आया हूं कि हमारी सरकार हर कदम पर आपके साथ खड़ी है।

भावुक क्षणों से भरे इस समारोह में समूचा सभागार कृतज्ञता एवं सम्मान की भावना से अभिभूत रहा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 109 संविदा चिकित्सकों को नियुक्ति आदेश तथा एमबीबीएस बांड पोस्टिंग के प्रथम चरण में 563 अनुबंधित चिकित्सकों को नियुक्ति एवं पदस्थापना आदेश प्रदान किया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सचिवअमित कटारिया ने कहा कि यह दिन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे चिकित्सकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी न केवल अपने दायित्वों का निर्वहन किया, बल्कि कोविड जैसी महामारी के दौरान अपने परिवार से दूर रहकर लोगों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। आपके योगदान को शब्दों में बांधना कठिन है। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि शीघ्र ही शेष 92 एमबीबीएस बांड अनुबंधित चिकित्सकों एवं 157 विशेषज्ञ पीजी बांड चिकित्सकों के पोस्टिंग आदेश भी जारी किए जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने डॉक्टर्स डे पर दी बधाई

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने डॉक्टर्स डे के विशेष अवसर पर सभी चिकित्सकों को बधाई देते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग केवल एक सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि जीवन रक्षक प्रणाली है। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि संकट के समय जब सभी लोग घरों में सुरक्षित रहने का प्रयास कर रहे थे, तब हमारे डॉक्टर अपनी जान की परवाह किए बिना मरीजों की सेवा में जुटे रहे। यह अदम्य साहस और समर्पण ही उनकी असली पहचान है। मंत्री जायसवाल ने कहा कि हमारी सरकार की यह स्पष्ट नीति है कि हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें और हर डॉक्टर को पूरा सम्मान और सहयोग मिले। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ और संवेदनशील बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों से आग्रह किया कि वे इसी जज्बे और मानवीय संवेदना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते रहें। उन्होंने कहा कि आज इस अवसर पर हमने 109 संविदा चिकित्सकों एवं 563 ब्रांडेड डॉक्टरों के पदस्थापना आदेश जारी किए हैं।

कार्यक्रम में अंत में आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला ने आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, मोतीलाल साहू, इंद्र कुमार साहू, गुरु खुशवंत साहेब के साथ ही महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के तथा राज्यभर से आए स्वास्थ्य अधिकारी, मेडिकल छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खास-खबर

संदिग्ध मौत, 2 महीने बाद कब्र खोदकर निकाली गई लाश

कोरबा। जिले में एक युवक की संदिग्ध मौत के बाद उसका शव दफ्ना दिया गया था, जिसे 2 महीने बाद फिर कब्र खोदकर बाहर निकाला गया है। परिजनों ने अपने बेटे की मौत पर संदेह होने के बाद प्रशासन से मांग की थी जिसके बाद 1 जुलाई को यह कार्रवाई की गई। रूमगरा का रहने वाला तबरेज इमाम (24 साल) मार्च में उड़ीसा में ठेकेदार अरुण पाल की साइट पर काम करने गया था। 19 अप्रैल को उसकी मौत हो गई। ठेकेदार ने परिजनों को बताया कि तबरेज की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। परिजनों ने उस समय दफन कर दिया।

मृतक के पिता नजरे इमाम ने मौत के वास्तविक कारणों की जांच के लिए प्रशासन को आवेदन दिया। उन्हें ठेकेदार की बातों पर संदेह है। ठेकेदार ने पहले तबीयत खराब होने की बात कही, फिर ठीक होने की। लेकिन अचानक मौत की खबर आ गई। तहसीलदार दीपक पटेल ने बताया कि आवेदन के आधार पर परमिशन दी गई। एक सप्ताह पहले भी टीम पहुंची थी, लेकिन एक दस्तावेज की कमी के कारण कार्रवाई टल गई थी। शव को पोस्टमार्टम के बाद पुन: दफना दिया गया है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा।

इंट्रा डे व क्रिप्टोकरेंसी में निवेश नहीं कर सकेंगे सरकारी कर्मचारी, Mutual Funds के लिए मिली अनुमति

सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी की अधिसूचना, नियम में किया संशोधन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकारी कर्मचारी इंट्रा डे, क्रिप्टोकरेंसी जैसे प्लेटफार्म पर शेयर ट्रेडिंग नहीं कर पाएंगे। छत्तीसगढ़ सरकार ने सरकारियों के निवेश को लेकर मंगलवार को नया नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके कारण शेयर मार्केट के इंट्रा डे, क्रिप्टोकरेंसी जैसे प्लेटफार्म में ट्रेडिंग करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को बड़ा झटका लगा है। सरकार ने अधिकारी और कर्मचारियों को कुछ अन्य प्लेटफार्म पर निवेश की अनुमति दी है। शेयर मार्केट में इंट्रा डे, क्रिप्टोकरेंसी की खरीदी, बीटीएसटी और फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग को सरकार ने अवचार के तौर पर माना है और इसमें निवेश पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी है।

सरकार के इस फैसले के बाद छत्तीसगढ़ के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए इनका लेन-देन प्रतिबंधित हो गया है। हालांकि सरकार ने यह भी बताया कि कर्मचारी और अधिकारी शेयर मार्केट में कहां पैसे लगा सकते हैं। अधिसूचना में इसका भी जिक्र किया गया है। छत्तीसगढ़ के सरकारी अधिकारी -कर्मचारी अब शेयर, सिक्योरिटीज, डिबेंचर्स, म्यूचुअल फंड आदि में दीर्घ समय के लिए निवेश कर सकेंगे। राज्य सरकार ने कर्मचारियों को इसकी छूट दी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि कर्मचारी इसकी बार-बार खरीदी या बिक्री नहीं कर सकेंगे। फिलहाल इसकी समय सीमा तय नहीं की गई है।

सरकार ने माना गैरकानूनी है यह

शेयर ट्रेडिंग के ऑप्शन इंट्रा डे, बाय टू डे सेल टूमारो, फ्यूचर एंड ऑप्शन और क्रिप्टोकरेंसी को सरकार ने गैरकानूनी माना गया है। इसमें इन्वेस्ट करना भ्रष्टाचार की श्रेणी में होगा। जीएडी ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। इसमें 1965 के छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम में संशोधन कर दिया है। इसकी जगर सरकारी कर्मचारी म्यूच्वल फंड्स, सिक्योरिटी जैसी जगह पर निवेश कर सकेंगे। जानकारों की माने तो पहले इस तरह के किसी भी निवेश पर पैसा लगाना रिस्की भी माना जाता था। इसके बावजूद वे जुआ, सट्टा या इस तरह के समाज विरोधी बुराइयों में पैसा नहीं लगा सकेंगे। वे भविष्य के लिए निवेश करने मेंबर भले ही किसी रजिस्टर्ड कंपनी के बन सकते हैं।

सरकार की अधिसूचना में है यह प्रावधान

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 में संशोधन अधिसूचित किया है, जिसके तहत भारत सरकार के प्रावधानों की तर्ज पर अब राज्य के शासकीय सेवकों को शेयर (Shares), प्रतिभूतियों (Securities), डिबेंचर्स (Debentures) और म्युचुअल फंड्स (Mutual Funds) में निवेश की अनुमति दी गई है। यह संशोधन नियम 19 में नया उप-खण्ड जोड़ते हुए लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। अधिसूचना में यह स्पष्ट प्रावधान किया गया है कि इंट्रा-डे ट्रेडिंग, बीटीएसटी (BTST), फ्यूचर एंड ऑप्शंस (F&O) तथा क्रिप्टोकरेंसी जैसे प्रकृति के निवेश गतिविधियों पर रोक लागू रहेगी।

नई पहल:जवानों को जन्मदिन पर मिलेगी छुट्टी

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। जिले के डीआईजी और एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस विभाग में एक सराहनीय और मानवीय पहल की शुरुआत की है। अब से पुलिस कर्मियों को उनके जन्मदिन पर विशेष अवकाश (छुट्टी) दिया जाएगा, ताकि वे अपने परिवार और प्रियजनों के साथ इस खास दिन को मना सकें। इस योजना की शुरुआत 1 जुलाई 2025 को की गई, जब थाना सूरजपुर में पदस्थ एएसआई नंदलाल सिंह और विवेकानंद सिंह को उनके जन्मदिन पर छुट्टी दी गई। डीआईजी ठाकुर ने कहा, पुलिस कर्मी 24 घंटे जनता की सेवा में लगे रहते हैं।

अक्सर वे अपने परिवार से दूर रहते हैं और निजी सुख-दुख को नजरअंदाज करते हैं। जन्मदिन पर छुट्टी देकर हम उन्हें सम्मान और आत्मिक संतोष देना चाहते हैं। इस निर्णय के तहत थाना और चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने अधीनस्थों को जन्मदिन पर छुट्टी प्रदान करें, यदि ड्यूटी की अत्यावश्यकता न हो। यह पहल न केवल पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाएगी बल्कि पुलिस परिवार की भावना को भी मजबूत करेगी। पुलिस विभाग के भीतर इस मानवीय निर्णय की सराहना हो रही है और उम्मीद जताई जा रही है कि अन्य जिलों में भी इसी तरह की पहल जल्द शुरू होगी।

दूसरे टेस्ट के लिए बदल सकती है भारत की प्लेइंग-11

नीतीश और कुलदीप को मिल सकता है मौका

एजबेस्टन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बुधवार से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। लीड्स में हार के बाद भारतीय टीम में बदलाव को लेकर काफी बातें हो रही हैं। खुद सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे भी इस बारे में बात कर चुके हैं। ऐसे में एजबेस्टन में भारतीय प्लेइंग-11 में दो बदलाव देखने को मिल सकते हैं। जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया जा सकता है, जबकि शार्दुल ठाकुर को भी बाहर किया जा सकता है। इनकी जगह नीतीश रेड्डी, कुलदीप यादव और अर्शदीप सिंह में से किसी दो की एंट्री हो सकती है। डेशकाटे ने दो स्पिनरों के साथ जाने की रणनीति को सही बताया था। वहीं, दूसरी तरफइंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग-11 की घोषणा सोमवार को ही कर दी। कोच ब्रैंडन मैकुलम और टीम मैनेजमेंट ने विनिंग कॉम्बिनेशन के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं किया है। वही टीम खेलेगी जो लीड्स में खेली थी।

बुमराह को छोड़कर बाकी गेंदबाज नहीं कर पाए कमाल

दरअसल, लीड्स में इंग्लैंड से पांच विकेट से हार के बाद बुमराह को तीन ही टेस्ट खिलाने की बात कही गई थी। ऐसे में उनको इस टेस्ट में आराम देकर, अगले में मौका दिया जा सकता है। लीड्स में पहली पारी में पांच विकेट लेने के बाद, दूसरी पारी में वह कोई विकेट नहीं ले पाए थे। हार के बाद कोच गंभीर ने बुमराह के तीन टेस्ट खेलने की रणनीति में कोई बदलाव नहीं करने की बात कही थी। यह देखने वाली बात होगी कि भारतीय टीम एजबेस्टन में दो स्पिनर्स के साथ उतरता है या तीन मुख्य तेज गेंदबाजों को मौका देता है या फ्रि दोनों संयोजन को बनाता है। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा भी पिछले टेस्ट में कोई छाप नहीं छोड़ पाए थे। प्रसिद्ध काफी महंगे साबित हुए थे, जबकि सिराज को दूसरी पारी में विकेट के लिए जूझना पड़ा था। ऐसे में टीम मैनेजमेंट इनमें से एक की जगह आकाश दीप को मौका देने पर भी विचार कर सकता है। आकाश स्विंग और सीम कराने में माहिर हैं और वह एजबेस्टन में उपयोगी साबित हो सकते हैं। हालांकि, सिराज और प्रसिद्ध के पास अनुभव है और बुमराह की गैरमौजूदगी में एक पूरी नई गेंदबाजी लाइन अप को रखने का जोखिम टीम मैनेजमेंट नहीं उठाना चाहेगा।

असम में माहौल बना रहा हिमन्ता

श्रीकंचनपथ

ये जो हिमन्ता सरमा है, जाने इसकी मंशा क्या है? जिस राज्य में वह अशांति फैलाने की कोशिश कर रहा है, वह खुद उसका मुखिया है। वहां हिन्दू मरे या मुसलमान, दोनों की जिम्मेदारी उसी पर है। फिर भी वह धुबरी को साम्प्रदायिक तनाव का केन्द्र बनाने पर तुला हुआ है। बहुत सारे लोगों को हिमन्ता की ये बदमाशी समझ में नहीं आएगी पर हकीकत यही ही कि धुबरी के शांत माहौल में जहर घोलने का काम वह खुद कर रहा है। पिछले 35 सालों में धुबरी में केवल एक बार अशांति फैली। बाबरी ढांचा गिराए जाने के दौरान यहां दंगे हुए जिसमें दर्जन भर लोग मारे गए थे। इस एक घटना के बाद से यहां कभी साम्प्रदायिक अशांति नहीं फैली। वैसे भी यह इलाका बांग्लादेश की सीमा से लगा हुआ है। यहां की लगभग 20 लाख की आबादी में से 73 प्रतिशत मुस्लिम हैं। पर धर्म यहां के भाईचारे में कभी विघ्न नहीं बना। ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसे धुबरी में 7 जून को बकरीद के दिन एक अफवाह उड़ी। अफवाह यह थी कि किसी ने यहां मंदिर के पास मांस का टुकड़ा फेंक दिया। पर किसी भी स्थानीय बाशिंदे ने इसे कोई खास तवज्जो नहीं दी। पुलिस जांच में सामने आया कि वह बकरे का गोश्त था। सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर यह भी पता लग गया कि इसे एक हिन्दू महिला ही वहां फेंककर जा रही है। धुबरी पर ऐसी घटनाओं का कोई फर्क नहीं पड़ता। लोग प्रतिदिन की तरह अपने काम-काज में लगे रहे। पर उधर खबर उड़ चली कि यहां साम्प्रदायिक तनाव फैल गया है। धड़ाधड़ यहां सुरक्षा बलों का पहुंचना शुरू हो जाता है। राष्ट्रीय मीडिया भी इस ब्रेकिंग न्यूज को कवर करने पहुंच जाती है। स्थानीय लोग इस बात से नाराज हैं। वो कहते हैं कि बेकार में माहौल बनाया जा रहा है। इसका असर उनकी मानसिक शांति के साथ-साथ काम-काज और व्यापार पर भी पड़ेगा। यह एक बिन बुलाई मुसीबत है। उधर राज्य के मुखिया दो बार यहां का दौरा कर गए हैं। लोगों को समझाने बुझाने और शांति स्थापित करने की कोई कोशिश उनकी दिखती नहीं। वो कहते हैं कि धुबरी को बांग्लादेश में मिलाने का षड़यंत्र रचा जा रहा है। यहां के अल्पसंख्यक हिन्दुओं को डरा धमकाकर यहां से भगाने की कोशिश की जा रही है। वो कहते हैं कि बकरीद के दिन हुई घटना के 150 से ज्यादा आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। हुआ कुछ नहीं और गिरफ्तारियां हो गईं। यही है क्षुद्र लक्ष्यों वाली राजनीति का वह सबसे गंदा चेहरा तो दिखता तो सबको है पर इसपर यकीन कोई नहीं करना चाहता। यकीन करे भी तो कैसे। वह खुद डरा हुआ है। डरा भी हिमंता जैसे लोग ही रहे हैं। उसे बताया गया है कि उसका अस्तित्व खतरे में है। अब भी नहीं जागे तो गुलामी करनी पड़ेगी। यह टोटका हमेशा काम करता है।

संपादकीय

कहते हैं इतिहास अपने को दोहराता है

कई बार कहा जाता है कि इतिहास अपने को दोहराता है। जो घटना कहीं पर एक बार होती है, वही घटना फिर किसी दूसरी जगह पर होती है या होने की संभावना रहती है तो कहा जाता है कि इतिहास अपने को दोहरा रहा है। इतिहास अपने को इसलिए भी दोहराता भी है कि एक बार जो गलती आदमी या पार्टी करती है और उससे सबक नहीं लेती है और वही गलती दोबारा करती है तो फिर से वही सब होने की संभावना रहती है जो एक बार की गई गलती के कारण इतिहास में दर्ज है। कर्नाटक कांग्रेस में देखा जा रहा है कि फिर से वही दोहराया जा रहा है जो छत्तीसगढ़ में दोहराया जा चुका है। कर्नाटक कांग्रेस व सरकार में फिर से वही सब हो रहा है जो एक बार छत्तीसगढ़ में हो चुका है।

छत्तीसगढ़ में 2018 में विधानसभा चुनाव कांग्रेस जीती थी। कांग्रेस ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा था। यानी कांग्रेस के जितने गुट थे सबने कांग्रेस अध्यक्ष भूपेश बघेल के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था और 15 साल के बाद भाजपा को हराने में सफल हुए थे। कुछ लोग इसका श्रेय अकेले भूपेश बघेल को देते हैं कि उन्होंने गुटों में बंटे हुए कांग्रेस को एकजुट कर कांग्रेस के लिए जो 15 साल से असंभव काम था, वह कर दिखाया था। कई लोगों के नामों की चर्चा थी सीएम के लिए। आखिरी में दो लोग ही सीएम के दावेदार के रूप में बच गए थे। दोनों ही सीएम बनना चाहते थे, कोई पीछे हटने के तैयार नहीं हुआ तो माना जाता है कि आलाकमान ने बीच का रास्ता यह निकाला था कि दोनों ढाई-ढाई साल सीएम पद पर रहेंगे। इस तरह पहले ढाई साल भूपेश बघेल को सीएम रहना था और उसके बाद के ढाई साल टीएस सिंहदेव को सीएम बनना था। भूपेश बघेल टीएस सिंहदेव से ज्यादा होशियार थे, वह पहले सीएम बने और ढाई साल बाद भी सीएम की कुर्सी को छोड़ने को तैयार नहीं हुए। आलाकमान को बता दिया कि सारे लोग तो चाहते हैं कि मैं ही सीएम बना रहूं। यानी सब मेरे साथ हैं, इसलिए सीएम तो उन्हें ही बने रहना चाहिए जिसके साथ सब हैं। आलाकमान ने भूपेश बघेल को ही सीएम बनाए रखा और टीएस सिंहदेव का डिप्टी सीएम बनाकर संतुष्ट किया गया। इसका परिणाम क्या हुआ। जब दूसरी बार चुनाव हुआ तो भूपेश बघेल अकेले चुनाव नहीं जिता सके। कांग्रेस छत्तीसगढ़ में दोबारा सरकार नहीं बना सकी।

माना जाता है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव जीतने पर आलाकमान ने वही गलती की जो उसने छत्तीसगढ़ में की थी। यहां भी सिध्दारमैया व शिवकुमार दोनों सीएम बनना चाहते थे, दोनों से यहां भी कह दिया गया मामला सुलझाने के लिए कि सिध्दारमैया ढाई साल सीएम रहेंगे और उसके बाद ढाई साल शिवशंकर ढाई साल सीएम रहेंगे। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 में हुआ था यानी सिध्दारमैया का समय पूरा होने को है, इसलिए फिर एक बार कर्नाटक में सीएम पद को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। जैसे छत्तीसगढ़ में चुनाव जिताने में टीएस सिंहदेव की अहम भूमिका थी, वैसे ही कर्नाटक चुनाव जिताने में शिवकुमार की अहम भूमिका थी। अब शिवकुमार चाहते हैं कि आलाकमान अपना वादा पूरा करे। सिध्दारमैया भूपेश बघेल की तरह सीएम की कुर्सी नहीं छोड़ना चाहते हैं। मामले को समझने कर्नाटक सुरजेवाला को भेजा गया है। राष्ट्रीए अध्यक्ष खरगे ने कह दिया है कि इस मामले में जो कुछ फैसला होगा आलाकमान करेगा। आलाकमान क्या करेगा किसी तो पता नहीं है ।सीएम जो बन जाता है वह पद को छोडना नहीं चाहता है, चाहे वह भूपेश बघेल हो या सिध्दारमैया हो। भूपेश बघेल के सीएम पद नहीं छोड़ने पर इसका खामियाजा पार्टी को छत्तीसगढ़ में भुगतना पड़ा था। माना जा रहा था कि कांग्रेस को यहां को भाजपा नहीं हरा सकती लेकिन हुआ क्या भाजपा ने कांग्रेस को हरा दिया। यानी हकीकत कुछ और थी और हकीकत कुछ और बताया जा रहा था। सिध्दारमैया को कर्नाटक में सीएम बनाए रखा गया तो हो सकता है कि वहां इतिहास अपने को दोहराए। कर्नाटक में भी अगले चुनाव में वहीं हो जो छत्तीसगढ़ में हुआ था।

मध्यमवर्गीय परिवार नहीं फंसे ऋण के जाल में

प्रहलाद सबनानी (सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की है। इसके साथ ही, निजी क्षेत्र के बैंकों, सरकारी क्षेत्र के बैंकों एवं क्रेडिट कार्ड कम्पनियों सहित अन्य वित्तीय संस्थानों ने भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी की घोषणा करना प्रारम्भ कर दिया है ताकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी का लाभ शीघ्र ही भारत में ऋणदाताओं तक पहुंच सके एवं इससे अंततः देश की अर्थव्यवस्था को बल मिल सके।

भारत में चूंकि अब मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में आ गई है, अतः आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में और अधिक कमी की जा सकती है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी के बाद कई नागरिक जिन्होंने पूर्व में कभी बैंकों से ऋण नहीं लिया है, वे भी ऋण लेने का प्रयास करें। बैंक से ऋण लेने से पूर्व इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि इस ऋण को चुकता करने की क्षमता भी ऋणदाता में होनी चाहिए अर्थात ऋणदाता की पर्याप्त मासिक आय होनी चाहिए ताकि बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण की किश्त एवं ब्याज का भुगतान पूर्व निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके। इस संदर्भ में विशेष रूप से युवा ऋणदाताओं द्वारा क्रेडिट कार्ड के उपयोग पश्चात संबंधित राशि का भुगतान समय सीमा के अंदर अवश्य करना चाहिए क्योंकि अन्यथा क्रेडिट कार्ड एजेंसी द्वारा चूक की गई राशि पर भारी मात्रा में ब्याज वसूला जाता है, जिससे युवा ऋणदाता ऋण के जाल में फंस जाते हैं।

बैकों से लिए गए ऋण की मासिक किश्त एवं इस -णराशि पर ब्याज का भुगतान यदि निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं किया जाता है तो चूककर्ता ऋणदाता से बैकों द्वारा दंडात्मक ब्याज की वसूली की जाती है। इसी प्रकार, कई नागरिक जो क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं एवं इस क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की गई राशि का भुगतान यदि वे निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं कर पाते हैं तो इस राशि पर चूक किए गए क्रेडिट कार्ड धारकों से भारी भरकम ब्याज की दर से दंड वसूला जाता है। कभी कभी तो दंड की यह दर 18 प्रतिशत से 24 प्रतिशत के बीच रहती है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले नागरिक कई बार इस उच्च ब्याज दर पर वसूली जाने वाली दंड की राशि से अनभिज्ञ रहते हैं। अतः बैंकों से ली जाने वाली ऋणराशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का समय पर भुगतान करने के प्रति ऋणदाताओं को सजग रहने की आवश्यकता है।

कुल मिलाकर यह ऋणदाताओं के हित में है कि वे बैंक से लिए जाने वाले ऋण की राशि तथा ब्याज की राशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का पूर्व निर्धारित एवं उचित समय सीमा के अंदर भुगतान करें क्योंकि अन्यथा की स्थिति में उस चूककर्ता नागरिक की क्रेडिट रेटिंग पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं आगे आने वाले समय में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है एवं बहुत सम्भव है कि भविष्य में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋ्रण प्राप्त ही न हो सके।

ऋणदाता यदि किसी प्रामाणिक कारणवश अपनी किश्त एवं ब्याज का बैंकों अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को समय पर भुगतान नहीं कर पाता है और उसका ऋण खाता यदि गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित हो जाता है तो इस संदर्भ में चूककर्ता ऋणदाता द्वारा बैकों को समझौता प्रस्ताव दिए जाने का प्रावधान भी है। इस समझौता प्रस्ताव के माध्यम से चूककर्ता ऋणदाता द्वारा सम्बंधित बैंक अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को मासिक किश्त एवं ब्याज की राशि को पुनर्निर्धारित किए जाने के सम्बंध में निवेदन किया जा सकता है। परंतु, यदि ऋणदाता ऋण की पूरी राशि, ब्याज सहित, अदा करने में सक्षम नहीं है तो चूक की गई राशि में से कुछ राशि की छूट प्राप्त करने एवं शेष राशि को एकमुश्त अथवा किश्तों में अदा करने के सम्बंध में भी समझौता प्रस्ताव दे सकता है। ऋण की राशि अथवा ब्याज की राशि के सम्बंध के प्राप्त की गई छूट की राशि का रिकार्ड बनता है एवं समझौता प्रस्ताव के अंतर्गत प्राप्त छूट के चलते भविष्य में उस ऋणदाता को बैकों से ऋ्रण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, इस बात का ध्यान चूककर्ता ऋणदाता को रखना चाहिए। अतः जहां तक सम्भव को ऋणदाता द्वारा समझौता प्रस्ताव से भी बचा जाना चाहिए एवं अपनी ऋण की निर्धारित किश्तों एवं ब्याज का निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत भुगतान करना ही सबसे अच्छा रास्ता अथवा विकल्प है।

भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के चलते मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है, जिनके द्वारा चार पहिया वाहनों, स्कूटर, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन एवं मकान आदि आस्तियों को खरीदने हेतु बैकों अथवा अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लिया जा रहा है। कई बार मध्यमवर्गीय परिवार एक दूसरे की देखा देखी आपस में होड़ करते हुए भी कई उत्पादों को खरीदने का प्रयास करते हुए दिखाई देते हैं, चाहे उस उत्पाद विशेष की आवश्यकता हो अथवा नहीं। उदाहरण के लिए एक पड़ौसी ने यदि अपने चार पहिया वाहन का एकदम नया मॉडल खरीदा है तो जिस पड़ौसी के पास पूर्व में ही चार पहिया वाहन उपलब्ध है वह पुराने मॉडल के वाहन को बेचकर पड़ौसी द्वारा खरीदे गए नए मॉडल के चार पहिया वाहन को खरीदने का प्रयास करता है और बैंक के ऋण के जाल में फंस जाता है। यह नव धनाडय वर्ग यदि बैक से लिए गए ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का निर्धारित समय सीमा के अंदर भुगतान नहीं कर पाता है तो उस नागरिक विशेष के वित्तीय रिकार्ड पर धब्बा लग सकता है जिससे उसके लिए उसके शेष जीवन में बैकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से पुनः ऋण लेने में कठिनाई आ सकती है। अतः बैकों से ऋण प्राप्त करने वाले नागरिकों को ऋण की किश्त का समय पर भुगतना करना स्वयं उनके हित में हैं, ताकि भारत में तेज हो रही आर्थिक प्रगति का लाभ आगे आने वाले समय में भी समस्त नागरिक ले सकें।

भारत में तो यह कहा भी जाता है कि जिसके पास जितनी चादर हो, उतने ही पैर पसारने चाहिए। अर्थात, नागरिकों को बैंकों से ऋण लेते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का भुगतान करने लायक उनकी अतिरिक्त आय होनी चाहिए, ताकि ऋण की किश्तों एवं ब्याज की राशि का भुगतान निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके एवं उनका ऋण खाता गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित नहीं हो।

उत्तर भारत में पहाड़ों पर बारिश से तबाही और भूस्खलन से लोगों की परेशानियां बढ़ी

अजय दीक्षित

उत्तर भारत में विशेषकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर में भारी बारिश से तबाही का मंजर देखने को मिलता है और यह प्रतिवर्ष होता है। उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश सड़क, भवन, रास्तों, को भारी नुक्सान होता है। जुलाई, अगस्त, सितंबर, में उत्तरकाशी, गढ़वाल, टिहरी, रानीखेत, अल्मोड़ा, मंडी, बिलासपुर, शिमला, नैनीताल, देहरादून आदि जिलों में भीषण तबाही होती है। यह सिलसिला विगत तीस साल से बढ़ा है क्योंकि इन क्षेत्रों में तीस लाख पेड़ विकास के नाम पर दस साल में काटे गए हैं। बेहतासा बढ़ते पर्यटन को देखते हुए इन क्षेत्रों में सरकारों ने सड़कों का निर्माण किया है और व्यवसायियों ने होटलों का निर्माण किया है।

अकेले शिमला, नैनीताल में २०० होटल है जिनसे पहाड़ों पर वजन बढ़ा है और वारिस के दिनों लैंड स्लाइड्स का खतरा भी हजारों प्रतिशत बड़ा है। भवनों, बाजारों में अतिक्रमण हो गया है जो पूरे भारत की लाइलाज बीमारी है। पर्वतीय क्षेत्र शोध संस्थान देहरादून के जलवायू शोध कर्ता एस जयशंकर कहते हैं कि पहाड़ों पर हरित क्षेत्रों के चलते यहां नमी अधिक रहती है इसके अलावा तापक्रम भी कम रहता है इस कारण वारिस बहुत और तेज होती है। कुमायूं और गढ़वाल दोनों स्थानों पर औसत बारिश 2000 मिली मीटर के आसपास है ।वारिस के दिनों पानी 3000 मीटर की ऊंचाई से आता है और उसकी ग्रैविटी अधिक होती है जो भूस्लखन का कारण बनती है। पहाड़ कच्चे है जियोलॉजी की भाषा में डिसेंट्रीग्रेटेड रॉक है। भवनों, सुरंगों, सड़कों के निर्माण के कारण पहाड़ पोली या दरक गए हैं और पानी के तेज बहाव से गिर जाते हैं। कभी कभी पानी भारी सिल्ट लेकर बहते हैं जैसा पिछली बार ब्यास नदी ने मनाली में तबाही मचाई थी।

पहाड़ों के दूर दराज के गांव में लैंड स्लाइड्स नहीं होते हैं क्योंकि वे सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर भवन पगडंडी, पुल बनाते हैं जिसमें अधिकतर लकड़ी के हल्के होते हैं। लेकिन पूरे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए हैं। पूरे जम्मू कश्मीर में हालत इतने खराब नहीं जितने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में हैं उसका कारण है कि घाटी में पचास साल से तो विकास नहीं हुआ क्योंकि वहां पर आतंकवाद था पर्यटकों का आना जाना नहीं था। तो विकास भी नहीं हुआ। कश्मीर घाटी में अगर श्रीनगर को छोड़ दें तो वहां सभी मकान लकड़ी के है। पूरा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश भूकंप की जद में है। क्योंकि इन क्षेत्रों की टाइटेनिक प्लेट का खिसकने का खतरा बढ़ गया है। अगर कभी भूकंप 8 रैकेटियर स्केल पर आ गया तो तबाही मचा देगा। बांधो के निर्माण से भी खतरा बढ़ गया है।

प्रगति का आधार-नवाचार, समावेश और पहचान का एक दशक

गिरिराज सिंह, केंद्रीय वस्त्र मंत्री, भारत सरकार

हम वस्त्रों की बात अक्सर व्यापार की भाषा जैसे निर्यात, घाटा और अधिशेष के रूप में करते हैं। लेकिन यह संकीर्ण दृष्टिकोण उस पैमाने से चूक जाता है जो वास्तव में काम कर रहा है। भारत के वस्त्र क्षेत्र की ताकत केवल उसके विदेशी शिपमेंट में ही नहीं है। यह कहीं ज्यादा स्थायी चीजों में निहित है। बढ़ती जनसंख्या, एक ऐसा घरेलू ईंजन है जो धीमे होने से इनकार करता है और यह विरासत और नवाचार दोनों के उभरते हुए स्वभाव को दर्शाता है। यह 143 करोड़ भारतीयों द्वारा संचालित है जो अपने पहनावे, अपने घरों और अपनी परंपराओं में आराम, पहचान और आकांक्षा बनाए रखते हैं।

भारत का कायाकल्पः मोदी नेतृत्व प्रभाव

मानदंड	2014	2025
कपास एमएसपी मीडियम स्टेपल	3700 रुपए	7710 रुपए
भारतीय कपास निगम की खरीद	22.86 लाख गांठ	100 लाख गांठ
रेशम क्षेत्र में रोजगार	78 लाख	98 लाख
रेशम उत्पादन	26,000 मीट्रिक टन	41,115 मीट्रिक टन
जूट विविधीकृत उत्पादों का कुल निर्यात	1,470 करोड़ रुपए	3,000 करोड़ रुपए से अधिक
हस्तशिल्प निर्यात	29,000 करोड़ रुपए	49,000 करोड़ रुपए
तकनीकी वस्त्र निर्यात	नगण्य	3 बिलियन डॉलर

इस क्रांति का प्रसारण नहीं किया गया। इसे बुना गया। जहां दुनिया डिजिटल सफलताओं और बुनियादी ढांचे में तेजी को ट्रैक कर रही थी, वहीं भारत के करघों पर कुछ शांत और गहरा सामने आ रहा था। जिस को कभी विरासत उद्योग के रूप में खारिज कर दिया गया था आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उसे लचीलेपन, नवाचार और गौरव की शक्ति में बदल दिया गया है। भागलपुर के चमकते रेशम से लेकर पानीपत के पुनर्चक्रित धागों तक, परिवर्तन धीर, स्थिर और स्थायी है।

यह पुनरुत्थान नहीं है। यह पुनर्जागरण है। 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण के लिए नींव को कंक्रीट और इस्पात से आगे ले जाना होगा। उन्हें समुदायों, आजीविका और सांस्कृतिक निरंतरता पर आधारित होना चाहिए। वस्त्र क्षेत्र की तुलना में इस दृष्टिकोण को कहीं और अधिक स्पष्ट रूप से महसूस नहीं किया गया है। 4.6 करोड़ लोगों के साथ दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता होने के नाते, यह एक उद्योग से अधिक है। यह कौशल, पहचान और अवसरों का जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र है। कभी पिछड़ा समझे जाने वाला यह उद्योग धीरे-धीरे आधुनिक आर्थिक इंजन में बदल गया है। अब पारंपरिक बुनाई वैश्विक बाजारों में प्रवेश कर रही है, जबकि तकनीकी वस्त्र एयरोस्पेस और कृषि में अपनी पैठ बना रहे हैं। और जमीनी स्तर पर, प्रत्येक करघा और चरखा गरिमा, नवीनीकरण और शांत शक्ति की गहरी कहानी दर्शाता है।

विकास का एक दशकः आंकड़े जो बताते हैं एक कहानी

जब हमारी सरकार ने 2014 में कार्यभार ग्रहण किया था, तो भारत का वस्त्र क्षेत्र विरासत में निहित एक ऐसे चौराहे पर खड़ा था जो वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में दिशाहीन था। कभी ठहराव से चिह्नित, वस्त्र क्षेत्र के पैमाने और संरचना को समर्थ के तहत लक्षित कौशल, कपास उत्पादकता मिशन, पीएलआई योजना और पीएम मित्र पार्क के जरिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के मिशन के रूप में नए युग के निवेश के माध्यम से फिर से बुना गया है।

भारत के वस्त्र क्षेत्र में रोजगार 2014 में 3 करोड़ से तेजी से बढ़कर आज 4.6 करोड़ हो गया है, जिससे कुशल और अकुशल श्रम को अवशोषित करने के अवसर और क्षमता दोनों में मजबूत विस्तार हुआ है। घरेलू मांग में वृद्धि और उत्पादन की तेजी से प्रेरित होकर बाजार का आकार 112 बिलियन डॉलर से बढ़कर 176 बिलियन डॉलर हो गया है। परिधान निर्यात लंबे समय से इस क्षेत्र की आधारशिला है, वह 14 बिलियन डॉलर से बढ़कर 18 बिलियन डॉलर हो गया है, जो मूल्यवर्धित उत्पादन में लगातार लाभ को दर्शाता है। काफी समय से लंबित भारत-यूके एफटीए को आखिरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अंतिम रूप दिया गया है। यह भारत के श्रम-प्रधान वस्त्र क्षेत्र के लिए विनिर्माण और निर्यात के एक वैश्विक केंद्र के रूप में राष्ट्र के उत्थान के लिए द्वार खोलकर निर्णायक बढ़त का वादा करता है।

लेकिन ये मात्र आंकड़े नहीं हैं बल्कि उससे कहीं बढ़कर हैं। वे एक रणनीतिक रीसेट का संकेत देते हैं। अस्थायी उपायों से दीर्घकालिक दृष्टिकोण की ओर बढ़ते हुए, हमारी सरकार ने मानव निर्मित रेशों, नए युग के रेशों और तकनीकी वस्त्रों को अपनाने के लिए उद्योग के दायरे को उसके कॉटन कोर से आगे बढ़ाया है। जिन क्षेत्रों को कभी अनदेखा किया गया था, वे अब वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हैं। यह विजन अब केवल घरेलू धागों तक सीमित नहीं है। यह भारत के वस्त्रों को लचीलेपन, कौशल और स्थिरता के साथ वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकृत करने पर आधारित है। यह परिवर्तन संयोग से नहीं हुआ है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रित शासन, साहसिक सुधारों और अटूट प्रतिबद्धता का परिणाम है।

कपास के खेतों से कार्बन फाइबर तक विस्तार

भारत की वस्त्र गाथा आज पारंपरिक धागों से कहीं आगे है, जो कपास के खेतों से लेकर कार्बन फाइबर तक, हथकरघा से लेकर उच्च निष्पादन वाले तकनीकी वस्त्रों तक फैली हुई है। जमीनी स्तर पर, सरकार ने प्राकृतिक रेशों को अभूतपूर्व सहायता प्रदान की है। कपास उत्पादकता के लिए नए मिशन के साथ, भारत का लक्ष्य 2030 तक कपास उत्पादन को 5.70 से 7.70 एमएमटी और उत्पादकता को 439 से 612 किलोग्राम/हेक्टेयर तक बढ़ाना है। वर्तमान में, कपास वैश्विक कपास निर्यात बाजार का 3.16 प्रतिशत और कस्तूरी कपास का सिर्फ 1 प्रतिशत हिस्सा है। कपास उत्पादकता मिशन के तहत, हमारा लक्ष्य 2030 तक इसे प्रीमियम वैश्विक कपास निर्यात का 10 प्रतिशत बनाना है। पिछले 11 वर्षों में भारतीय कपास निगम द्वारा कपास की खरीद में 338 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि मध्यम और लंबे रेशे वाले कपास के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य दोगुने से अधिक हो गए हैं, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। रेशम उत्पादन में 58 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। यहां तक कि जूट, जो कभी एक घटता हुआ खंड था, उसमें भी नई गति देखी गई है। जूट निर्यात 2014 में 1,470 करोड़ से दोगुना होकर 2024 में 3,000 करोड़ से अधिक हो गया है, जो विविधिकृत जूट उत्पादों की मांग में वृद्धि के कारण है, जिनका निर्यात एक दशक में तीन गुना से अधिक हो गया है।

जैसे-जैसे भारत प्राकृतिक रेशों के क्षेत्र में अपनी जड़ें मजबूत करता है, भविष्य के लिए वह निर्णायक हो रहा है। 10,683 करोड़ रुपये के परिव्यय और 3 लाख से अधिक नौकरियों के सृजन के साथ उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना ने भारत को पीपी. किटों के वैश्विक उत्पादक के रूप में स्थापित करने में मदद की है। तकनीकी वस्त्र बाजार, जो कभी निर्यात में लगभग अस्तित्वहीन और मामूली स्तर पर था, 2025 में अनुमानित 26 बिलियन डॉलर तक बढ़ गया है। नगण्य निर्यात से, भारत ने अब आउटबाउंड व्यापार में 3 बिलियन डॉलर दर्ज किया है। एग्रोटेक और मेडिटेक से, भारत इस उच्च-मूल्य, नवाचार-संचालित क्षेत्र में खुद को एक उभरते वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करके तकनीकी वस्त्रों के सभी बारह क्षेत्रों में निर्णायक प्रगति कर रहा है।

सात पीएम मित्र पार्क एकीकृत प्लग एंड प्ले, वन स्टॉप सॉल्यूशन टेक्सटाइल हब के रूप में विकसित किए जा रहे हैं, जो फाइबर से लेकर फैशन तक की पूरी मूल्य श्रृंखला को एक साथ लाएंगे। इनसे कुल मिलाकर 70,000 करोड़ रुपये का निवेश आने और 22 लाख से ज्यादा नौकरियाँ सृजित होने की उम्मीद है, 22,000 करोड़ रुपये का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है। पीएम मित्र पार्कों के अलावा, एकीकृत टेक्सटाइल पार्कों की योजना के तहत 50 टेक्सटाइल पार्क विकसित किए गए हैं, जिनमें 15,000 करोड़ रुपये का निवेश आया है और 1.3 लाख नौकरियाँ सृजित हुई हैं। कपास किसान से लेकर कार्बन फाइबर इनोवेटर तक, मोदी सरकार आत्मविश्वास के साथ इस पटकथा को फिर से लिख रही है। कृषि से लेकर एयरोस्पेस तक, भारत का टैक्सटाइल ट्रांसफॉर्मेशन सही मायनों में विकसित भारत की प्रगति को आपस में जोड़ रहा है।

कृषि से लेकर भविष्य तक, अनुसंधान और विकास भारत की हरित वस्त्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है: अनुसंधान और नवाचार लंबे समय से भारत के वस्त्र क्षेत्र में अज्ञात विषय थे। पिछली सरकारों के तहत, उद्योग पारंपरिक रेशों तक सीमित रहा, जिसमें आधुनिकीकरण या स्थिरता लाने के लिए बहुत कम प्रयास किए गए। मोदी सरकार ने अपनी वस्त्र रणनीति के मूल में अनुसंधान एवं विकास को रखकर और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारी को मिलाने वाले अगली पीढ़ी के रेशों की खोज का समर्थन करके इस जड़ता को बदल दिया है। 2020 से, राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के तहत 509 करोड़ की 168 शोध परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जो उपेक्षा से रणनीतिक निवेश की ओर निर्णायक बदलाव का संकेत है।

2030 तक इस क्षेत्र के मूल्य को दोगुना करके 350 बिलियन डॉलर करने के लक्ष्य के साथ, स्थिरता अब एक विचार नहीं है। यह बहुत महत्वपूर्ण समय पर हुआ है। जैसे-जैसे फास्ट फैशन गति पकड़ रहा है, 2030 तक इसके 50-60 बिलियन डॉलर के बाजार में विकसित होने की उम्मीद है। इसके साथ ही तेजी से बदलते रुझानों के कारण टेक्सटाइल अपशिष्ट में भी वृद्धि हो रही है। इसके जवाब में भारत ने एक सर्कुलर और टिकाऊ अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए तेजी से कदम बढ़ाया है। पानीपत अब प्री और पोस्ट-कंज्यूमर टेक्सटाइल रीसाइक्लिंग के लिए दुनिया का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है, जो टिकाऊ विनिर्माण में भारत के नेतृत्व को दर्शाता है। आज, यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा पुनर्नवीनीकरण फाइबर उत्पादक है। यह सालाना 40 बिलियन से अधिक प्लास्टिक की बोतलों को परिवर्तित करता है। 90 प्रतिशत से अधिक पीईटी बोतलों को रीसाइकिल किया जाता है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक में से एक है। सतत प्रथाओं को और मजबूत करने के लिए, जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) सिस्टम और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत प्रसंस्करण विकास योजना के तहत छह परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। यह गति व्यापक जैव अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे रही है, जो राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 4.25 प्रतिशत का योगदान देती है। इसका मूल्य 165.7 बिलियन डॉलर है और आने वाले वर्षों में इसके लगभग दोगुना होने का अनुमान है। इस कायाकल्प का प्रमुख स्तंभ वैकल्पिक रेशों का उदय है। रैमी, मिल्कवीड, फ्लैक्स, सिसल प्राकृतिक सामग्री हैं जो उच्च प्रदर्शन और जलवायु के अनुकूल दोनों गुणों से भरपूर हैं। मिल्कवीड को कभी कृषि खरपतवार माना जाता था, इसे अब हाइ-एंड उपयोग के लिए इन्सुलेशन-ग्रेड वस्त्र में परिष्कृत किया जा रहा है। जैव प्रौद्योगिकी को पारंपरिक ज्ञान के साथ जोड़कर और अनुसंधान निवेश को बढ़ाकर, मोदी सरकार भारत के वस्त्र उद्योग के भविष्य को नया आकार दे रही है। यह ग्रामीण आजीविका को मजबूत करेगा, स्थिरता में अग्रणी होगा और आत्मनिर्भर भारत के साथ तालमेल बिठाएगा।

स्थानीय से वैश्विक तक, भारत के हस्तशिल्प का उत्थान

भारत में विरासत अब एक संरक्षित स्मृति नहीं है, यह एक गतिशील आंदोलन है। यह पहचान, सशक्तिकरण और आर्थिक नवीनीकरण का स्रोत बन गया है। यह परिवर्तन हथकरघा क्षेत्र से कहीं अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। गणतंत्र दिवस पर, ई-पहचान कार्ड के शुभारंभ ने एक नवीन क्रांति को चिह्नित किया। 35 लाख बुनकरों के लिए डिजिटल रजिस्ट्री के रूप में शुरू हुआ यह अभियान तब से एक गतिशील आंदोलन में बदल गया है, जिसने 35,000 नए बुनकरों को अपने साथ जोड़ा है। यह समावेश से कहीं अधिक है, यह पुनरुद्धार है। करघे घरों में वापस आ रहे हैं और नई पीढ़ी इसे गर्व के साथ अपना रही है। हस्तशिल्प क्षेत्र में, 30 लाख से अधिक कारीगरों को पहचान कार्ड के तहत पंजीकृत किया गया है, जिससे औपचारिक पहचान और सरकारी सहायता तक पहुँच सुनिश्चित हुई है।

2014 से पहले, मुद्रा योजना के माध्यम से सहायता केवल 1.25 लाख बुनकरों तक पहुँचती थी। आज, 3 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। यह प्रतीकात्मकता से सार्थक सशक्तिकरण की ओर स्पष्ट बदलाव है। करघा अब केवल परंपरा का प्रतीक नहीं रह गया है। यह आकांक्षा का साधन है, जो छोटे व्यवसायों को सक्षम बनाता है और वैश्विक बाजारों के लिए मार्ग खोलता है।

हस्तशिल्प में भी इसी तरह का पुनरुत्थान हुआ है। 2014 में निर्यात 29,000 करोड़ से बढ़कर 49,000 करोड़ से अधिक हो गया है, क्योंकि कारीगर विश्व मंच पर आत्मविश्वास से कदम रख रहे हैं। 313 जीआई टैग, भारत टेक्स के दो संस्करण और बढ़ती वैश्विक उपस्थिति के साथ, पारंपरिक शिल्प को आर्थिक मूल्य और सांस्कृतिक प्रतिष्ठा के वाहक के रूप में फिर से स्थापित किया गया है। आज, बनारसी बुनकर या कच्छ कढ़ाई करने वाला न केवल विरासत को संरक्षित कर रहा है, बल्कि वह समकालीन विलासिता साधनों को परिभाषित कर रहा है और निर्यात को बढ़ावा दे रहा है।

इस परिवर्तन के केंद्र में 2017 में शुरू किया गया सरकार का प्रमुख कौशल कार्यक्रम समर्थ है। 4.3 लाख से अधिक व्यक्तियों, मुख्य रूप से महिलाओं, ग्रामीण युवाओं और पारंपरिक कारीगरों को उद्योग मानकों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। 2014 से, एकीकृत कौशल विकास योजना और समर्थ के तहत 12.55 लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया है। नए कौशल और केंद्रित समर्थन के साथ, वे न केवल जीवनयापन कर रहे हैं, बल्कि नेतृत्व भी कर रहे हैं। ओएनडीसी और इंडिया हैंडमेड जैसे प्लेटफॉर्म ने उन्हें बिचौलियों को दरकिनार करने, वैश्विक बाजारों तक पहुँचने और टिकाऊ, स्व-स्वामित्व वाले उद्यम बनाने में सक्षम बनाया है। कुशल प्रतिभाओं का यह बढ़ता हुआ समूह नई रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे रहा है। यह ऐसी अर्थव्यवस्था है जहाँ डिजाइन, नवाचार और परंपरा मिलकर भारत की वैश्विक बढ़त को आकार देते हैं।

2014 से 4 नए परिसरों के साथ, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी फैशन संस्थान बड़े पैमाने पर परंपरा और नवाचार को मिलाकर इस डिजाइन क्रांति के केंद्र में है। फैशन पूर्वानुमान पहल के लिए VisioN&t और स्वदेशी आकार के लिए India Size जैसे स्वदेशी एप के माध्यम से, भारत अब पश्चिम का अनुसरण नहीं कर रहा है। देश अब अपने खुद के नए मानक स्थापित कर रहा है। कारीगर अब वंचित नहीं है। वह एक निर्माता हैं, बदलाव लाने वाले हैं, एक नए भारत के उद्यमी हैं। यह अतीत की ओर वापसी नहीं है, यह भविष्य को आकार देने वाले कुशल हाथ हैं।

विजन को विकसित भारत 2047 के साथ जोड़ा गया

भारत का वस्त्र उद्योग अब केवल धागे और परंपरा के बारे में नहीं है। यह देश के भविष्य को आकार देने के बारे में है। हमारी सरकार के तहत, यह क्षेत्र विरासत उद्योग से रणनीतिक शक्ति के रूप में विकसित हुआ है, जिसमें रोजगार सृजन, निर्यात को बढ़ावा देना, युवाओं को आगे बढ़ाना और स्थिरता को अपने मूल में रखना शामिल है। यह सटीकता और उद्देश्य के साथ वैश्विक मांगों को पुरा करते हुए अपनी जड़ों का सम्मान करता है।

आज भारत का वस्त्र क्षेत्र न केवल बढ़ रहा है, बल्कि अग्रणी भी है। यह हरित है, वैश्विक है और भविष्य के लिए तैयार है। जब दुनिया समावेशी, लचीले और टिकाऊ मॉडल की तलाश कर रही है, तो भारत अपनी बारी का इंतजार नहीं कर रहा है। यह नेतृत्व करने के लिए आगे बढ़ रहा है। दुनिया मांग कर रही है भारत उसे पूरा कर रहा है और हर कदम पर मोदी सरकार अपने बुनकरों, कारीगरों और उद्यमियों के साथ चल रही है, जो दृष्टि को कार्य में बदल रहे हैं और परंपरा को विजय में बदल रहे हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

गायत्री प्रज्ञापीठ रामनगर प्रमुख ट्रस्टी बने श्याम विश्वकर्मा

भिलाई। रामनगर मुक्तिधाम क्षेत्र भिलाई स्थित गायत्री प्रज्ञापीठ भगवती संस्थान ट्रस्ट मंडल का पुनर्गठन किया गया। यहां श्याम विश्वकर्मा को प्रमुख प्रबंध ट्रस्टी और मोहन उमरे को सहायक प्रबंध ट्रस्टी बनाया गया। वहीं ट्रस्टी के रूप में बीआर श्रीवास, अजीत सोनबेर, दयालाल साहू, शिवप्रसाद वस्त्रकार, दिलेश्वर साहू, तुलेश्वरी साहू, पेखन साहू को शामिल किया गया है। इसके अलावा यामनी सोनबेर, पुरषोत्तम जंघेल, राजकुमार ठाकुर, हेमलाल साहू, उषा साहू, मन्नू लाल साहू, कीर्तन साहू, लक्ष्मी देवांगन, टेकराम साहू, इंदु ठाकुर, उषा साहू, टेकेन्द्र विश्वकर्मा, नानुक राम वर्मा, शालिक राम साहू, प्रेमलता साहू, रूपा साहू, रवि नाग, रतन साहू, घसनीन ठाकुर, शुक्ला राम साहू को शामिल किया गया है। ट्रस्ट मंडल के गठन में जिला उप जोन समन्वयक एसपी सिंह, सह-समन्वयक धीरज लाल टांक, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के प्रभारी राजकुमार सिंह, पीआर सिन्हा, आरके सिंह, रामाधार महिलांग का सहयोग रहा।

पार्श्व तीर्थ नगपुरा में चातुर्मास होगा, 6 जुलाई को मंगल प्रवेश

दुर्ग । तपोभूमि उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा में इस वर्ष साध्वी माताओं का चातुर्मास होगा। तीर्थ प्रबंधन की विनती पर तीर्थोद्धर मार्गदर्शक गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय राजयश सूरीश्वर मसा ने साध्वीवृंद तपस्विनी साध्वी लक्ष्ययशा श्रीजी, लब्धियशा श्रीजी और आज्ञायशा श्रीजी मसा को तीर्थ में चातुर्मास आराधना के लिए भेजा है। साध्वियों के साथ चातुर्मास आराधकों का तीर्थ प्रवेश 6 जुलाई को सुबह 8 बजे बाजे-गाजे, रथ, घोड़ा बैंड, जुलूस के साथ होगा। बता दें कि साध्वीवृंद तीर्थ में साल 2018 व 2019 में सामूहिक चातुर्मास आराधना के साथ पोष दशमी महोत्सव और संस्कार शिविर में निश्रा प्रदान कर चुकी हैं। इनके द्वारा अभी तक देशभर में लगभग 161 स्थानों पर उवसग्गहरं उत्सव का आयोजन किया जा चुका है। तीर्थ अध्यक्ष गजराज पगारिया ने बताया कि इस वर्ष साध्वीवृंद की निश्रा में देशभर से लगभग 207 आराधक तीर्थ परिसर में सामूहिक चातुर्मास की आराधना करने आ रहे हैं। साथ ही देशभर से अनेक जैन श्रीसंघ के प्रतिष्ठित अतिथियों का भी आगमन हो रहा है। पार्श्व तीर्थ की महिमावंत, ऊर्जावंत भूमि में साध्वी गुरु भगवंतों की सानिध्यता में 54 दिनों तक तीर्थ में प्रतिदिन उत्सव का वातावरण रहेगा।

जब दृष्टि छिनी, तब दृष्टिकोण ने राह बनाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हाल ही में आयोजित सेल - स्तरीय ए आई एंड यू ऑनलाइन प्रतियोगिता में, जो कर्मचारियों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक आंतरिक पहल के रूप में आयोजित की गई थी, सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के पांच कर्मचारियों ने व्यक्तिगत या पेशेवर जीवन में एआई के प्रभावी उपयोग को प्रस्तुत कर इस प्रतियोगिता में पुरस्कार और सराहना प्राप्त की।

इनमें से एक थे सौरभ वार्ष्णेय, जिनकी कहानी इस बात का प्रेरणादायक उदाहरण है कि किस प्रकार एआई का उपयोग कर एक संकट को भी जीवन बदल देने वाले अवसर में बदला जा सकता है। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मठ कर्मचारी सौरभ वार्ष्णेय की कहानी सिर्फव्यक्तिगत संघर्ष की नहीं, बल्कि अडिग इच्छाशक्ति, तकनीकी नवाचार और कर्म में आस्था की एक अनूठी मिसाल है। एक ऐसा कर्मयोगी, जिसने अपने जीवन की सबसे बड़ी चुनौती को पराजय नहीं, बल्कि उसे अवसर में बदल दिया।

दृष्टि गई, लेकिन दृष्टिकोण जीवित रहा

वर्ष 2001 में भिलाई इस्पात संयंत्र के सिन्टर प्लांट-3 में बतौर इलेक्ट्रिकल इंजीनियर अपने करियर की शुरुआत करने वाले श्री सौरभ वार्ष्णेय मार्च 2024 तक इलेक्ट्रिकल इंचार्ज की भूमिका में एसपी-3 में कार्यरत रहे। पर अप्रैल 2024 में

अचानक आए ब्रेन स्ट्रोक ने उनके जीवन को झकझोर दिया। इस स्ट्रोक से उनकी ऑप्टिक नर्व क्षतिग्रस्त हो गई और धीरे-धीरे उन्होंने अपनी दृष्टि पूरी तरह खो दी। देशभर के प्रमुख अस्पतालों में उनका इलाज कराया गया, लेकिन ऑप्टिक नर्व के लिए अब भी चिकित्सा विज्ञान में कोई प्रभावी उपचार नहीं है।

डॉक्टरों ने उनका संयंत्र में कार्य करना असुरक्षित बताया। लेकिन सौरभ के लिए 'खाली बैठना' जीवनशैली कभी नहीं रही। उनकी स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए संयंत्र प्रबंधन ने उन्हें बीएमडीसी विभाग में स्थानांतरित किया। यहां उन्होंने खुद से सवाल किया - अब मैं क्या कर सकता हूँ? और जवाब तलाशना शुरू किया।

जब तकनीक बनी आंखें

टेक्नोलॉजी में हमेशा से रुचि रखने वाले सौरभ ने अपने अनुभव और इच्छाशक्ति को साथ लेकर समाधान की दिशा में खोज शुरू की। उन्हें स्क्रीन रीडर जैसे मोबाइल एप्लिकेशन के बारे में जानकारी मिली, जो स्क्रीन पर दिखाई देने वाली जानकारी को आवाज़ में बदलकर सुनाते हैं। उन्होंने मोबाइल का इस्तेमाल बिना देखे करना सीखा। फ़िर धीरे-धीरे उन्होंने लैपटॉप पर भी स्क्रीन रीडर तकनीक के ज़रिये कार्य करना शुरू किया और बिना देखे टाइपिंग का अभ्यास भी शुरू किया। इसी यात्रा में उन्हें मेटा एआई स्मार्ट ग्लासेस के बारे में पता चला। भारत में उपलब्ध न होने के कारण उन्होंने अक्टूबर 2024 में अपने एक मित्र से अमेरिका से इस एआई इनेबल्ड चश्मे को मंगवाया। ये चश्मा उनके जीवन का सहारा बन गया। इसकी सहायता से वे ईमेल पढ़ना, उनका जवाब देना, कॉल अटेंड करना, व्हाट्सएप मैसेज सुनना और भेजना, दस्तावेज़ पढ़ना, त्रुटियाँ पहचानना, नोट्स का सारांश समझना और सामने खड़े व्यक्ति का विवरण जानना जैसे कई कार्य अब सामान्य रूप से कर पाते हैं।

सीखना कभी नहीं रुकता

सौरभ वार्ष्णेय मानते हैं कि जीवन में सीखना कभी खत्म नहीं होता। वह रोज़ाना कुछ नया सीख रहे हैं। दृष्टिबाधित होते हुए भी टेक्नोलॉजी की सहायता से वे 80 प्रतिशत तक कार्य किसी सामान्य व्यक्ति की तरह स्वतंत्र रूप से कर पा रहे हैं। बड़े-बड़े डॉक्यूमेंट्स को मेटा एआई स्मार्ट ग्लासेस संक्षिप्त कर ऑडियो में सुनाता है, जिससे उनका पढ़ना और समझना आसान हो गया है। वह आज मीटिंग रिमाइंडर से लेकर फ़ाइल समीक्षा तक सब कुछ कर सकते हैं, बिना किसी सहारे के। उनका यह जज्बा और तकनीक के प्रति उत्साह यह साबित करता है कि यदि मन में सिखने और कुछ कर गुजरने की चाह हो तो दुनिया का कोई भी अंधकार, मार्ग अवरुद्ध नहीं कर सकता।

कर्मयोग की मिसाल

सौरभ वार्ष्णेय को वर्ष 2023 में भी तकनीकी नवाचार के लिए पुरस्कार मिल चुका है। लेकिन उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है - कार्य के प्रति समर्पण और आत्मनिर्भरता। वह कहते हैं, अगर संगठन में रहना है, तो योगदान देना ज़रूरी है। उनकी पत्नी ने भी इस पूरे बदलाव में उनका साथ दिया, जो आज उनकी प्रेरणा और संबल दोनों हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र को सौरभ वार्ष्णेय जैसे कर्मयोगी पर गर्व है - जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में हार नहीं मानी, बल्कि उन्हें अवसर में बदल दिया। जब बहुत से लोग हिम्मत हार बैठते हैं, तब सौरभ वार्ष्णेय जैसे लोग साबित करते हैं कि अगर दृष्टि नहीं है, तो क्या हुआ - दृष्टिकोण होना ज़रूरी है।

बीएसपी के वार्ड खिलाड़ी खुशाल पटेल बने जूनियर राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के वार्ड खिलाड़ी खुशाल पटेल ने दावनगेरे, कर्नाटक में आयोजित राष्ट्रीय सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर (महिला एवं पुरुष) पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 में 59 किलोग्राम भार वर्ग (जूनियर -23 श्रेणी) में 642.5 किलोग्राम भार उठाकर राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता 22 से 30 जून 2025 तक आयोजित की गई थी।

खुशाल पटेल ने स्क्वाट इवेंट में 242.5 किलोग्राम, बेंच प्रेस में 147.5 किलोग्राम एवं डेडलिफ्ट में 252.5 किलोग्राम का प्रदर्शन कर कुल 642.5 किलोग्राम वजन उठाया, जो एक नया राष्ट्रीय कीर्तिमान है। इस उपलब्धि के लिए उनका चयन भारतीय टीम में किया गया है। खुशाल पटेल भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रशिक्षण केन्द्र के वार्ड खिलाड़ी हैं और उनके पिता महेश पटेल स्वयं पूर्व राष्ट्रीय पदक विजेता पावरलिफ्टर रह चुके हैं, जो वर्तमान में बीएसपी के टीएंडडी विभाग में कार्यरत हैं। ज्ञात हो कि इससे पूर्व खुशाल पटेल ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता (बिलासपुर) में स्ट्रॉन्ग मैन ऑफछत्तीसगढ़ का खिताब जीता था और ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप, जम्मू में रजत पदक भी अर्जित किया है।

उनकी इस उपलब्धि पर दिनांक 01 जुलाई 2025 को भिलाई निवास स्थित एमपी हॉल में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर तथा ओलंपियन एवं उप महाप्रबंधक राजेंद्र प्रसाद प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर भारतीय टीम के कोच एवं बीएसपी टीम के वरिष्ठ प्रशिक्षक कृष्णा साहू एवं खुशाल पटेल को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उर्वरकों का भण्डारण-वितरण कार्य प्रगति पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जले में मानसून सक्रिय होने के पश्चात् से खरीफकृषि कार्य में तेजी आई है। बुआई हेतु मौसम अनुकुल होने से खरीफफसल बुआई कार्य प्रगति पर है। कृषकों की मांग अनुसार उर्वरकों का प्राथमिक सहकारी समितियों एवं निजी प्रतिष्ठानों में भण्डारण एवं वितरण प्रगति पर है।

उप संचालक कृषि से मिली जानकारी अनुसार जिले में उर्वरक की अद्यतन स्थिति यूरिया-27600 मि.टन, सिंगल सुपर फास्फेट-18310 मि.टन, पोटाश-5700 मि.टन, डी.ए.पी.-5267 मि.टन, 12:32:16-3666 मि.टन व अन्य 17484 मि.टन कुल 78027 मि.टन का लक्ष्य के विरूद्ध यूरिया-20642 मि.टन, सिंगल सुपर फास्फेट-14223 मि.टन, पोटाश-5283 मि.टन, डी.ए.पी.-6744 मि.टन, 12:32:16-978 मि.टन व अन्य 4773 मि.टन कुल 52643 मि.टन का भण्डारण कर यूरिया-16862 मि.टन, सिंगल सुपर फास्फेट-8193 मि.टन, पोटाश-3815 मि.टन, डी.ए.पी.-6293 मि.टन, 12:32:16-371 मि.टन व अन्य 4445 मि.टन कुल 39979 मि.टन अद्यतन वितरण प्राथमिक सहकारी समितियों एवं निजी प्रतिष्ठानों के माध्यम से कृषकों को किया गया है।

वैश्विक समस्या के कारण गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष डी.ए.पी. उर्वरक वितरण का कम लक्ष्य आबंटित किये जाने के फलस्वरूप कृषकों को डी.ए.पी. की जगह अन्य वैकल्पिक उर्वरकों का उपयोग करने हेतु व्यापक समझाईश एवं प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। डी.ए.पी. उर्वरक का उपयोग मुख्यत: बुआई के समय किया जाता है, जिसमें मृदा की अम्लीयता में वृद्धि होने से लम्बी अवधि में फसल उत्पादन पर विपरीत प्रभाव भी पड़ता है। इसके विपरीत डी.ए.पी.के के स्थान पर सिंगल सुपर फास्फेट के उपयोग से फास्फोरस के साथ सूक्ष्म तत्व सल्फर, कैल्सियम जिंक जैसे पोषक तत्व होते है, जो पौधों के विकास के लिए आवश्यक है। वर्तमान में यूरिया-3194 मि.टन, सिंगल सुपर फास्फेट-2296 मि.टन, पोटाश-1131 मि.टन, डी.ए.पी.-444 मि.टन, 12:32:16-607 मि.टन व अन्य 233 मि.टन कुल 7905 मि.टन उर्वरक जिले के प्राथमिक सहकारी समितियों एवं निजी प्रतिष्ठानों में शेष है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में एसपीएसबी अंतर इस्पात संयंत्र शतरंज प्रतियोगिता-2025 उद्घाटित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय स्टील प्लांट्स स्पोर्ट्स बोर्ड-एसपीएसबी अंतर इस्पात संयंत्र शतरंज प्रतियोगिता-2025 का उद्घाटन समारोह 01 जुलाई 2025 को प्रातरू भिलाई निवास के एमपी हॉल में सम्पन्न हुआ।

प्रतियोगिता का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) संदीप माथुर, अध्यक्ष (सेफी, ओए एवं बीएसपी शतरंज क्लब) एन.के. बंछोर, पूर्व ओलंपियन एवं उप महाप्रबंधक (एससीसीए) राजेन्द्र प्रसाद व मुख्य महाप्रबंधक (आरआईएनएल) तपन कुमार घोष उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त उप प्रबंधक (एससीसीए)अभिजीत भौमिक, भिलाई शतरंज क्लब के सचिव अलंकार भिवगड़े

एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं विभागीय पदाधिकारीगण भी कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रतियोगिता में देश के प्रमुख इस्पात संयंत्रों से कुल 9 टीमों ने भाग लिया है, जिनमें भिलाई इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर स्टील प्लांट, टाटा स्टील, इस्पात इस्को बर्नपुर, सेलम स्टील प्लांट, राउरकेला स्टील प्लांट, जेएसयू स्टील लिमिटेड, राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड एवं विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट की टीमें शामिल हैं। यह प्रतियोगिता शतरंज फैडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार खेली जाएगी।

अपने उद्घाटन संबोधन में मुख्य अतिथि पवन कुमार ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों का भिलाई की धरती पर स्वागत करते हुए कहा कि शतरंज जैसी बौद्धिक खेल प्रतियोगिताएं न केवल मानसिक सतर्कता को विकसित करती हैं, बल्कि संयंत्रों के बीच सौहार्द, सहभागिता और खेल भावना को भी सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को संदेश दिया कि वे प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ अपने प्रतिद्वंद्वियों से सीखें और दोस्ती की मजबूत नींव भी रखें। उन्होंने इस आयोजन की सफलता की कामना करते हुए सभी टीमों को शुभकामनाएं दीं। विशिष्ट अतिथियों ने भी अपने संबोधन में इस प्रकार के आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि वे अपनी श्रेष्ठ प्रतिभा का प्रदर्शन करें और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता का आनंद लें।

प्रतियोगिता का संचालन एससीसीए विभाग के सुप्रियो सेन ने किया। प्रतियोगिता का समापन समारोह 03 जुलाई 2025 को संध्या 03:00 बजे भिलाई निवास में होगा।

महापौर परिषद ने लगाई मुहरः वर्षों से चक्कर लगा रहे नागरिकों को राहत, 18 से अधिक खसरों में निगम देगा भवन अनुज्ञा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली निगम क्षेत्र के अवधपुरी, सरस्वती कुंज समेत व्हीआईपी नगर में मकान बनाने का सपना अब पूरा होगा। महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता वाली महापौर परिषद की बैठक में विकास शुल्क का अनुमोदन कर दिया। विकास शुल्क जमा कर नागरिक विधिवत मकान निर्माण करने भवन अनुज्ञा ले सकते हे।

दरअसल अवधपुरी और सरस्वती कुंज अवैध कालोनी श्रेणी में आता है। बसाहट के लिए बिना अनुमति जमीन की खरीदी बिक्री होने की वजह से मकान बनाने मे समस्या आ रही थी। नागरिकों को होने वाली असुविधा को देखते हुए निगम प्रशासन ने नियमों के तहत कुल 18 खसरों में विकास और समझौता शुल्क लेकर भवन अनुज्ञा और भवन पूर्णता देने का निर्णय लिया है। महापौर परिषद ने निर्धारित विकास शुल्क पर मुहर भी लगा दी है। परिषद की बैठक में एमआईसी जहीर अब्बास, संजू नेताम, अनिल देशमुख, सनीर साहू, ममता यादव, रंजिता बेनुआ, जमुना ठाकुर, रोहित धनकर, आयुक्त मोनिका वर्मा, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे समेत विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

जाने कहा कितना विकास शुल्क

व्हीपी नगर रिसाली के खसरा 493पी, 496/1, 497पी, 498, 502पी, 603पी, 1038पी, 1039 पी पर 211.76 रू. प्रति वर्गफीट विकास शुल्क। इसी तरह सरस्वती कुंज पूर्व के 754 पर 216.09 रूपए, 645/1पी पर 224.36 रूपए, 222 पी पर 221.44 रूपए, सरस्वती कुंज पश्चिम के खसरा 274/2 पर 203.70 रूपए, सरस्वती कुंज पूर्व 684, 685 पर 217.65 रूपए, 257/81 पर 225.48 रूपए, 650, 656 पी पर 217.07 रूपए, 861 पर 200.70 रूपए, अवधपुरी रिसाली के खसरा 634, 635, 636, 676 पर 215.58 रूपए, सरस्वती कुंज रिसाली के खसरा 757, 797, 798 पर 206 रूपए और अवधपुरी रिसाली के खसरा 620, 621 पर 236.78 रूपए प्रति वर्गफीट विकास शुल्क निर्धारित है।

पूर्व में बने मकान का नियमितीकरण

इन खसरों पर पूर्व में बने मकानों को नियमित किया जाएगा। मकान स्वामी विकास शुल्क के साथ भवन अनुज्ञा दर से समझौता शुल्क जमा कर अपना मकान नियमित करा सकते है।

अंतिम चेतावनी

महापौर शशि सिन्हा निगम क्षेत्र में संचालित 29 सार्वजनिक शौचालयों की सफाई व्यवस्था और रख रखाव को प्रमुखता के साथ उठाया। परिषद के सदस्यों ने विस्तार से चर्चा कर निरीक्षण के दौरान मिली खामियों पर की गई कार्यवाही पर सवाल जवाब की। अंतिम नोटीस जारी किया जाए।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

रायपुर में टीबी के खिलाफ नई पहल : बीपालएम रेजिम से मरीजों को मिलेगा तेज और प्रभावी इलाज

रायपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत जिला कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी के मार्गदर्शन एवं जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ. अविनाश चतुर्वेदी की उपस्थिति में नोडल डीआरटीबी सेंटर, मेकाहारा, रायपुर में दवा प्रतिरोधक टीबी के मरीजों के लिए नवीन बीपालएम रेजिम का शुरुआत शुरुआत किया गया।

अब तक टीबी के दवा प्रतिरोधी मरीजों को 9 से 18 माह तक पांच से सात दवाएं प्रतिदिन लेनी पड़ती थीं। लेकिन बीपालएम रेजिम के तहत इलाज की अवधि केवल 6 माह रह गई है, और अब केवल 4 आधुनिक दवाओं से इलाज संभव होगा। इन दवाओं की अनुमानित लागत 1 लाख रुपये से अधिक है, जिसे सरकार की ओर से पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।यह पहल राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी को जड़ से मिटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर डीआरटीबी वार्ड के समस्त अधिकारी, डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

वार्ड 1 में अवैध प्लॉटिंग पर निगम की बड़ी कार्रवाई, सीसी रोड और मुरूम मार्ग तोड़कर रोका निर्माण

रायपुर। रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेश और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल , कार्यपालन अभियंता अभिषेक गुप्ता, सहित अन्य सम्बंधित जोन 8 नगर निवेश विभाग अधिकारियों की उपस्थिति में नगर निगम जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड क्रमांक 1 क्षेत्र अंतर्गत केडिया बिजनेस पार्क के पास अविनाश डेवलपर्स द्वारा बिना विकास अनुज्ञा लिए तथा बिना नगर निगम अनुमति के लगभग 12 एकड़ भूमि पर अवैध प्लॉटिंग किए जाने के उद्देश्य से अवैध सी सी रोड एवं मुरूम रोड का निर्माण किया जा रहा था जिसे जोन क्रमांक 8 नगर निवेश विभाग की टीम ने जेसीबी की सहायता से स्थल पर किए जा रहे अवैध सी सी रोड एवं मुरूम रोड को काटने की कार्यवाही करते हुए अवैध अवैध निर्माण पर तत्काल कारगर रोक लगायी गयी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बैठक : सांसद ने स्पोर्ट्स कोटे के पदों पर भर्ती जमीन की खरीदी-बिक्री पर लगे प्रतिबंध को तत्काल हटाने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ में रेल यात्री सुविधाओं, नई रेल परियोजनाओं, औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ रेलवे के लिए एक रणनीतिक राज्य है, जहां से देश की रेलवे को कुल आमदनी का 16त्न प्राप्त होता है। राज्य में 46 हजार करोड़ रुपये से अधिक की रेल परियोजनाएं चल रही हैं, लेकिन धीमी गति से काम होने के कारण आम जनता में असंतोष है। उन्होंने रेल अधिकारियों को इन कार्यों में गति लाने और तय समयसीमा में पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

श्री अग्रवाल ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में बन रहे अंडरपास और ओवरब्रिज कार्यों की समीक्षा कर, प्राथमिकता के आधार पर उन्हें पूर्ण किया जाए। साथ ही, नई रेल लाइनों के निर्माण से पूर्व स्थानीय सांसदों एवं जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर सुझाव लेने की आवश्यकता बताई। उन्होंने दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस में कोच वृद्धि और इसके नागपुर तक विस्तार, रीवा-बिलासपुर ट्रेन को रायपुर-दुर्ग तक विस्तारित करने और राजनांदगांव से रायपुर तक नई पैसेंजर ट्रेन शुरू करने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण को लेकर उन्होंने रेलवे ट्रैक के आसपास पौधारोपण की कार्ययोजना 7 दिन में प्रस्तुत करने और स्टेशनों पर सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सोलर पैनल लगाने की बात कही। साथ ही वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना के तहत रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में स्टॉल की संख्या बढ़ाने और देवभोग और छत्तीसगढ़ी व्यंजन बेचने हेतु महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा गढ़ कलेवा की तर्ज पर स्टॉल स्थापित करने के निर्देश दिए। जिससे युवाओं और महिलाओं को रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

बैठक में रावघाट-धमतरी कनेक्टिविटी, औद्योगिक कॉरिडोर की प्रगति, रायपुर-अभनपुर रेल लाइन के धमतरी तक विस्तार, परमालकसा-खरसिया प्रस्तावित रेल लाइन के तहत आने वाले गांवों में जमीन की खरीदी-बिक्री पर लगे प्रतिबंध को तत्काल हटाने के निर्देश दिए इस प्रतिबंधों के कारण ग्रामीणों को परेशानी हो रही है वहीं रावघाट में रेल लाइन के प्रभावित ग्रामीणों को नौकरी देने जैसे प्रमुख मुद्दे भी उठाए गए। बैठक में ट्रेनों के ठहराव, नई ट्रेनों के संचालन, रेलवे रिजर्वेशन काउंटर खोलने, कुली, वेंडर और हम्मालों को सुविधाएं देने जैसे जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। सांसद श्री अग्रवाल ने ट्रेनों के निरस्तीकरण और लेटलतीफी पर चिंता व्यक्त करते हुए कार्य में तेजी लाने, स्टेशनों के उन्नयन (अमृत स्टेशन योजना), आरक्षण कोटा बढ़ाने उन्होंने केंद्र को पत्र लिखकर रायपुर से पुरी तक वंदे भारत ट्रेन और छत्तीसगढ़ से रत्नागिरी व गोवा तक सीधी रेल सेवा शुरू करने की मांग करने की बात कही।

बिलासपुर से नाथद्वारा (राजस्थान) सीधी ट्रेन चलाने, रायपुर से जोधपुर (भगत की कोठी) को सप्ताह में पांच दिन चलाने, मध्य रेल मंडल नागपुर एवं रेल जोन कार्यालय मुंबई से संचालित ट्रेन 12105-12106 विदर्भ एक्सप्रेस (मुंबई गोदिया), 12114- 12135 (नागपुर- पुणे, पुणु नागपुर एक्सप्रेस) 11040-11039 पूणे- भंडारा, भंडारा ङ्क पुणे महाराष्ट्र एक्सप्रेस को रायपुर / बिलासपुर तक विस्तारित करने, बिलासपुर से चलने वाली ट्रेनों बिलासपुर-चेन्नई (12851-52), साप्ताहिक एक्सप्रेस बिलासपुर- हापा (22939-40)। बिलासपुर नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस (20825-826) एवं बिलासपुर नई दिल्ली (12441-42) का भाटापारा में स्टापेज दिए जाने, पूरी-दुर्ग (18425-18426) और संबलपुर-नांदेड (18309-18310) के संतला (एसएफसी) रेलवे स्टेशन पर विस्तार, दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस, 18201 को सप्ताह में पांच दिन चलाने, गोंदिया जबलपुर पैसेंजर ट्रेन को रायपुर तक चलाने, कोरोना काल के समय से बंद ट्रेन स्टॉपेज पुनः बहाल करने, 18258 चिरमिरी-बिलासपुर को दुर्ग तक विस्तार करने, हथबंद, वि.ख। सिमगा, जिला बलौदाबाजार में एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज प्रदान करने, सिलयारी स्टेशन में पूर्ववत् अम्बिकापुर-दुर्ग एक्सप्रेस एवं इतवारी-बिलासपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस के स्टॉपेज शुरू करने के निर्देश दिए।

साथ ही तिल्दा-नेवरा के दैनिक रेल यात्रियों की समस्या के निवारण, आरंग रेल्वे स्टेशन पर कोरबा विशाखापट्टनम एक्सपेस, दुर्ग-पुरी इंटरसिटी एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन से विशाखापट्टनम (समता एक्सप्रसे का स्टापेज एवं टिकट आरक्षण केन्द्र स्थापित करने, अभनपुर मेन मार्केट में निर्माणधीन ब्रॉडगेज में नेशनल हाइवे के क्रॉसिंग में सी आकार व नया अंडरब्रिज बनाये जाने, नगर पालिका परिषद अभनपुर में बस स्टैण्ड स्थित रेल्वे अण्डर ब्रिज के पास फाटक लगवाने, रेल टिकट आरक्षण केन्द्र खोलने, बरबंदा रेल्वे फाटक से बरबंदा रेल्वे अंडरब्रिज तक कच्ची सड़क को पक्की करने, उरकुरा फाटक में अंडरब्रिज ओवरब्रिज निर्माण, रायपुर से अभनपुर और अभनपुर से रायपुर चल रही लोकल मेमू' नई ट्रेन का स्टॉपेज जोरा (रायपुर) में करने हेतु समुचित कार्यवाही के लिए कहा है तथा रेल मंडल में रिक्त स्पोर्टस कोटे के सभी पदों को भरने और राष्ट्रीय खिलाड़ी मीना साहू अनियनित कर्मचारी को नियमित करने हेतु उचित कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। बैठक में सांसद विजय बघेल, सांसद भोजराज नाग, सांसद महेश कश्यप, सांसद रूपकुमारी चौधरी, राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन सहित रेलवे के मुख्य महाप्रबंधक तरुण प्रकाश, डीआरएम रायपुर दयानंद, प्रधान मुख्य अभियंता मुदित भटनागर, राहुल अग्रवाल, आलोक तिवारी एवं IG RPF मुनव्वर खुर्शीद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति केवल एक नौकरी नहीं है, बल्कि यह एक पवित्र उत्तरदायित्व है-सिन्हा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायाधीश एवं न्यायिक अकादमी के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा के नेतृत्व में, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी, बिलासपुर द्वारा आज नव नियुक्त सिविल न्यायाधीश (कनिष्ठ श्रेणी) के लिए प्रथम चरण के इंडक्शन ट्रेनिंग कार्यक्रम (3 माह) का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 30 जून, 2025 से 27 सितम्बर, 2025 तक आयोजित किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में श्रीमती न्यायमूर्ति रजनी दुबे, न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य न्यायाधीश ने अपने प्रभावशाली संबोधन में नव नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को न्यायिक सेवा में चयनित होने पर बधाई दी एवं ध्यान आकर्षित किया कि, न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति केवल एक नौकरी नहीं है, बल्कि यह एक पवित्र उत्तरदायित्व है। विधि के शासन को बनाए रखने एवं सामान्य नागरिक को न्याय सुनिश्चित करने के लिए उन्हें यह पवित्र उत्तरदायित्व सौंपा गया है। उन्होंने सतत् अध्ययन, न्यायिक आचार संहिता एवं विनम्रता के महत्व को रेखांकित किया, एवं नव नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को प्रशिक्षण के प्रति समर्पण एवं ईमानदारी से जुडऩे हेतु प्रेरित किया, क्योंकि इस प्रशिक्षण अवधि के दौरान रखी गई नींव उनके भविष्य के न्यायिक आचरण एवं क्षमता को आकार देगी।

मुख्य न्यायाधीश ने समय की पाबंदी, तैयारी और धैर्य को एक अच्छे न्यायाधीश की पहचान बताया, साथ ही स्मरण कराया कि विलंबित न्याय, अन्याय के समान है और कभी-कभी, जल्दबाज़ी में किया गया न्याय भी अन्याय ही होता है। इसलिए गति और न्याय के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। अब आप न्याय के संरक्षक हैं, उस स्तर पर जहाँ सामान्य नागरिक न्याय प्रणाली से पहली बार जुड़ता है। यहीं, निचली अदालतों में, न्याय की सच्ची छवि जनता के मन में बनती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि न्यायिक सेवा की यह यात्रा निरंतर अध्ययन, निर्भीक स्वतंत्रता और न्याय के प्रति अटूट समर्पण से परिपूर्ण होगी। कार्यक्रम में उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री एवं न्यायिक अकादमी के अधिकारीगण की भी उपस्थिति रही।निर्माण में पत्रकारिता की जिम्मेदार भूमिका को और अधिक सक्रिय करने की आवश्यकता पर बल दिया।

जनसंपर्क विभाग के उपसंचालक आनंद प्रकाश को सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनसंपर्क विभाग में 31 वर्षों तक अपनी उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले उप संचालक आनंद प्रकाश सोलंकी के सेवानिवृत्ति अवसर पर 30 जून सोमवार को जनसंपर्क संचालनालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में अपर संचालक जे एल दरियो, अपर संचालक उमेश मिश्रा एवं अपर संचालक संजीव तिवारी सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्री सोलंकी की सेवा, समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। उल्लेखनीय है कि आनंद प्रकाश सोलंकी ने अपने सेवाकाल के 23 वर्ष तक मुख्यमंत्री प्रेस प्रकोष्ठ में एक जिम्मेदार अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए राज्य शासन की योजनाओं एवं नीतियों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह उनके कार्यकुशलता, निष्ठा और विश्वास का प्रमाण है। विभागीय अधिकारियों ने इस अवसर पर श्री सोलंकी के उज्वल भविष्य और सुदीर्ध स्वस्थ्य जीवन की कामना की। अपर संचालक उमेश मिश्रा एवं संयुक्त संचालक बी.एम तंबोली ने कहा कि श्री सोलंकी का सरल व्यवहार, उनकी सौम्यता और कार्यशैली अनुकरणीय है।

करबला तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का विधायक ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने करबला तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। यह कार्य लगभग 2.44 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान विधायक श्री मूणत ने ज़ोन क्रमांक 7 के आयुक्त सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तालाब के चारों ओर परिक्रमा पथ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सबसे पहले बाहरी सीमा पर सरहदी दीवार (बाउंड्री वॉल) का निर्माण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्य प्रारंभ करने से पहले पूरे परिसर की व्यापक सफाई अभियान चलाकर गंदगी हटाई जाए।

श्री मूणत ने विशेष रूप से कहा कि मंदिर साइड से पाथवे निर्माण की शुरुआत की जाए, लेकिन इससे पहले उसका मजबूत बेस तैयार किया जाए ताकि भविष्य में वह धंसे नहीं। निरीक्षण के दौरान मंदिर के पीछे एक निजी ट्रांसफॉर्मर की स्थिति पर संदेह व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि इसकी जांच की जाए कि वह निजी या शासकीय भूमि पर स्थापित है। यदि वह शासकीय भूमि पर पाया जाता है तो संबंधित व्यक्ति को उसे अपनी निजी भूमि पर स्थानांतरित करने के लिए कहा जाए। इसके अतिरिक्त, मंदिर के पास स्थित अवैध कब्जों को हटाने के लिए भी विधायक ने निर्देश दिए। निरीक्षण के समय, मंदिर के सामने स्थित एक मकान स्वामी ने यदि निर्माण कार्य में उनका मकान बाधक बनता है तो अपने व्यय पर उसे हटाने की स्वेच्छा जताई, जिसकी विधायक श्री मूणत ने खुले दिल से सराहना की।

विधायक ने करबला तालाब क्षेत्र में निम्नलिखित कार्यों के लिए निर्देश जारी किए इसमें आसपास की सीमाओं पर गेट निर्माण, तालाब के चारों कोनों में चेन माउंटेड मशीन द्वारा मिट्टी सफाई, मंदिर के पीछे बने कॉम्प्लेक्स में ग्राउंड पार्किंग और सेटबैक की जांच, पेरीफेरी बाउंड्री का शीघ्र निर्माण, बरगद के पुराने पेड़ के चारों ओर सजावटी प्लेटफार्म, हमर क्लिनिक के पास पेवर का मजबूत बेस, डॉक्टर जाउलकर नर्सिंग होम के पास की हरियाली युक्त भूमि की सफाई और वहां ओपन जिम एवं योग केंद्र की स्थापना शामिल हैं।

श्री मूणत ने कहा कि करबला तालाब का सौंदर्यीकरण इस तरह किया जाए कि यह क्षेत्र एक सुंदर, सुरक्षित और सुविधाजनक वॉकिंग जोन के साथ-साथ लोगों के लिए ओपन जिम, योग, ध्यान और पारिवारिक सैर हेतु एक आदर्श स्थल बन सके।

आटोमैटिक हुई रायपुर एयरपोर्ट की पार्किंग: आए दिन होने वाले विवादों पर लगेगा विराम, स्वचलित मशीन से निकलेगी पर्ची

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राजधानी रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में पार्किंग की पर्ची को लेकर होने वाले विवाद पर अब विराम लगने की संभावना है। वसूली की विभिन्न शिकायतों के बाद विमानतल प्रबंधन ने आटोमैटिक पार्किंग सिस्टम विकसित कर इसे प्रारंभ कर दिया है। अब स्वचलित मशीन के जरिए वाहन की पर्ची निकलेगी और विमानतल से वाहन के एग्जिट होने के दौरान फास्ट टैग के जरिए शुल्क कट जाएगा। विमानतल पर यात्रियों को छोड़ने वाली गाड़ियों के शुल्क को लेकर अक्सर विवाद की स्थिति बनती थी और वाहन चालकों के साथ ठेका कर्मियों के बीच मारपीट तक हो जाती थी। इसे लेकर अक्सर आवाजाही करने वाले यात्रियों में दहशत की स्थिति बनी रहती थी। पार्किंग के नाम पर अधिक वसूली की शिकायत आए दिन प्रबंधन के पास पहुंचती थी। इन विवादों पर अब लगाम लगने की संभावना है।

विमानतल प्रबंधन ने पार्किंग सिस्टम को इंसानी दखल से दूर रखते हुए आटोमैटिक सिस्टम तैयार कर इसे शनिवार से लागू भी कर दिया है। इस सिस्टम से पार्किंग एंट्री पर स्वचालित सिस्टम से पर्ची निकलेगी, जिसे सभी वाहन चालक स्वयं ले सकेंगे। एंट्री पर लगे सिस्टम की सहायता से वाहन का नंबर और एंट्री का समय पर्ची पर स्वत: अंकित होगा और पर्ची लेने के बाद पार्किंग एंट्री पर लगा बेरियर खुल जाएगा।

इस सिस्टम के लागू होने से यात्रियों की सुविधा और समय की बचत होगी। पर्ची और शुल्क प्राप्त करने के लिए उन्हें अनावश्यक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यात्रियों के वाहन से ड्रॉप और पिकअप समय की तयशुदा दर के अनुसार पैसा कटेगा। वाहन चालक अपने मित्र या रिश्तेदार को एयरपोर्ट पर ड्रॉप करने के बाद जब पार्किंग एग्जिट पर पहुंचेंगे तो फास्टैग से पैसा अपने आप टोल बूथ की तर्ज पर कट जाएगा।

एयरपोर्ट प्रबंधन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि वाहनों से लिए जाने वाले पार्किंग शुल्क के सिस्टम में ही बदलाव किया गया है। इसका पार्किंग की दरों से संबंध नहीं है। शुल्क दरों का निर्धारण आठ बजे से पहले किया गया था। कारों के लिए आधे घंटे का शुल्क 40 रुपये तय किया गया है। प्रीमियम कारों के लिए यह शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है।

निगम के सहायक राजस्व अधिकारियों को जोन में नवीन पदस्थापना आदेश जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप ने निगम सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से आदेश जारी करते हुए नगर निगम की प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक नगर निगम जोन 1 के सहायक राजस्व अधिकारी नरेन्द्र नायक को जोन 9 में, जोन 2 सहायक राजस्व अधिकारी स्वाति शुक्ला को जोन 6 में, जोन 3 सहायक राजस्व अधिकारी प्रेमचंद दुबे को जोन 2 में, जोन 4 सहायक राजस्व अधिकारी मानकूराम धीवर को जोन 3 में, जोन 5 सहायक राजस्व अधिकारी गौरीशंकर अग्रवाल को जोन 10 में, जोन 6 सहायक राजस्व अधिकारी मनीष मरकाम को जोन 1 में, जोन 7 सहायक राजस्व अधिकारी अमरनाथ साहू को जोन 4 में, जोन 8 सहायक राजस्व अधिकारी प्रमोद जाघव को जोन 5 में, जोन 9 सहायक राजस्व अधिकारी विजय शर्मा को जोन 7 में और जोन 10 सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल को जोन 8 में सहायक राजस्व अधिकारी पद पर नवीन पदस्थापना दी है। आयुक्त ने संबंधित सहायक राजस्व अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर कार्यभार ग्रहण कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने आदेशित किया है। आयुक्त ने नगर निगम रायपुर की ओर से उक्ताशय का प्रशासनिक आदेश तत्काल प्रभावशील कर दिया है।

आयुक्त ने अधिकारियों व कर्मचारियों को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य नगरीय निकाय के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी नगर पालिक निगम रायपुर में उपायुक्त एके हालदार को नगरीय निकाय सेवा से सेवानिवृत्त होने पर नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने नगर निगम मुख्यालय महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल सामान्य सभा सभागार में बुके, श्रीफल, शाल, स्मृतिचिन्ह प्रदत्त कर रायपुर नगर निगम में जोन कमिश्नर और निगम उपायुक्त के पद पर निरन्तर 6 वर्ष तक सेवाएं देने हेतु सम्मानित किया और उन्हें सुदीर्घ, स्वस्थ, सुखी जीवन हेतु हार्दिक शुभकामनायें दीं। सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने रायपुर नगर निगम में उपायुक्त एके हालदार द्वारा लगातार 6 वर्ष सेवाएं देने को सराहा व कहा कि उनकी स्पष्टवादिता सराहनीय रही है। सभापति ने उनके उज्जवल भविष्य, स्वस्थ सुखी जीवन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दी।

सभापति ने आयुक्त से अनुरोध किया कि नगर निगम रायपुर के सेवानिवृत्त होने वाले निगम अधिकारियों व कर्मचारियों का सेवानिवृत्ति दिवस पर नगर निगम की ओर से सेवाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और उनके स्वत्वों का भुगतान तत्काल किया जाना चाहिए। आयुक्त विश्वदीप ने एके हालदार द्वारा नगर निगम की सेवा निष्ठा, लगन, कड़ी मेहनत से करके अपनी जिम्मेदारियों का वहन करने को सराहा। उन्होने उनके सुदीर्घ, स्वस्थ, सुखी, उज्जवल जीवन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दी। आयुक्त ने प्रभारी अपर आयुक्त सामान्य प्रशासन कृष्णा खटीक को सेवानिवृत्ति दिवस पर निगम सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सम्मान कार्यक्रम मुख्यालय में रखा जाना एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों कर्मचारियों के स्वत्वों का भुगतान किया जाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

सेवानिवृत्त उपायुक्त एके हालदार ने प्रशासनिक सेवाकाल स्वच्छता निरीक्षक के रूप में प्रारंभ किया एवं अपने कार्यो से पदोन्नति पाकर वे मुख्य नगर पालिका अधिकारी, जोन कमिश्नर, उपायुक्त एवं निगम आयुक्त के पदो पर सेवारत रहे. उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से नगरीय निकाय की सेवा निष्ठा और ईमानदारी से करने का प्रण लेने का अनुरोध किया। अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, यूएस अग्रवाल, विनोद पाण्डेय, कृष्णा खटीक, जोन कमिश्नर अरूण ध्रुव ने एके हालदार के सेवाकाल को सराहते हुए उनके संबंध में संस्मरण सुनाएं कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर सभी जोन कमिष्नर, उपायुक्तगण, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, निगम अधिकारी, कर्मचारीगण बडी संख्या में उपस्थित थे।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

एक नई भाषा में काम करना मेरे लिए चुनौती थी, तमिल डेब्यू पर बोलीं मिथिला पालकर

अभिनेत्री मिथिला पालकर फिल्म ओहो एंथन बेबी के साथ तमिल फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नई भाषा में प्रदर्शन करना उनके लिए एक ऐसा चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा नहीं था।

मिथिला ने बताया कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह हमेशा ऐसी चीजें करने की कोशिश करती हैं, जो उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर ले जाए। उन्होंने कहा, यह मुझे न केवल पेशेवर रूप से बल्कि व्यक्तिगत रूप में आगे बढ़ने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि एक नई भाषा सीखना और उसमें अभिनय करना उनके लिए एक ऐसी चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने पहले कभी नहीं सोचा था।

लिटिल थिंग्स, कारवां और चॉपस्टिक्स के लिए मशहूर मिथिला ने कहा कि उन्हें अब तक हिंदी और मराठी में ही काम करने का मौका मिला था। बता दें कि तमिल फिल्म ओहो एंथन बेबी में मिथिला के अगेंस्ट रुद्र मुख्य भूमिका में रहेंगे। फिल्म का पहला पोस्टर मई में रिलीज किया गया था। पोस्टर में अभिनेत्री लाल रंग की ड्रेस पहने नीचे बैठे अभिनेता रुद्र द्वारा पकड़े गए कैमरे के सामने पोज देती दिखाई दे रही हैं।

कृष्णकुमार रामकुमार द्वारा निर्देशित रोमांटिक-कॉमेडी ओहो एंथन बेबी में दर्शकों को प्यार और रिश्तों पर एक नया और अनोखा नजरिया देखने को मिलेगा। मिथिला ने ओहो एंथन बेबी की शूटिंग पूरी करने के बारे में कहा, यह यात्रा वास्तव में मेरे लिए खास रही है, न केवल इसलिए कि यह मेरी पहली तमिल फिल्म है, बल्कि इसलिए भी कि मुझे उन अविश्वसनीय लोगों के साथ काम करने का मौका मिला।

उन्होंने कहा, तमिल में लाइनें सीखना भले ही मेरे लिए एक चुनौती थी, लेकिन मैंने इसमें हर पल का भरपूर आनंद लिया। मेरे सह-कलाकार रुद्र, मेरे निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार और पूरी कास्ट और क्रू ने मेरा अच्छे से स्वागत किया और मुझे बिल्कुल घर जैसा महसूस कराया, भले ही मैं यह भाषा नहीं बोल पाती थी।

अभिनेत्री सीरत कपूर ने अपने स्वस्थ त्वचा और फिटनेस के पीछे का राज बताया

सीरत कपूर अपनी स्वस्थ और चमकदार त्वचा के पीछे का राज बता रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी निजी सुबह की दिनचर्या और स्किनकेयर रूटीन साझा किया है, जो उन्हें कैमरे के सामने और बाहर दोनों जगह चमकदार बनाए रखता है। अपनी फिटनेस और स्किनकेयर के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं वास्तव में मानती हूं कि सुंदरता अंदर से बाहर की यात्रा है। अगर आप अपने शरीर का अच्छे से ख्याल रखते हैं और अपने प्रयासों में निरंतर लगे रहते हैं, तो आपकी त्वचा स्वाभाविक रूप से इसे निखारती है। मैं बाजार में चलन में चल रही चीजों या बाहरी उपचारों पर बहुत अधिक निर्भर नहीं रहती; मेरी दिनचर्या ने मुझे कभी निराश नहीं किया, यहां तक कि सबसे कठिन शेड्यूल में भी।

अभिनेत्री अपने दिन की शुरुआत एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर वेजिटेबल स्मूदी से करती हैं, जिसे वह हर सुबह खुद बनाती हैं। उन्होंने आगे बताया, अपने वर्कआउट के बाद, मैं हमेशा ग्रीन जूस पीती हूँ जिसमें पालक, अजवाइन, अजमोद, पुदीना, खीरा, अदरक और आंवला शामिल होता है। प्रत्येक को पानी के साथ अच्छी तरह मिलाएँ और इसकी ठंडक देने वाली खूबियों को कम करने के लिए गर्मी को कम करें। यह ताज़गी देने वाला है, विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है, मेरी त्वचा को साफ रखता है, शरीर पर तनाव को कम करता है और मुझे अपना दिन शुरू करने के लिए ऊर्जा का सही बढ़ावा देता है।

अभिनेत्री अपनी सक्रिय जीवनशैली का समर्थन करने के लिए स्वच्छ, उच्च प्रोटीन और हरी-भरी डाइट भी लेती हैं। वह आमतौर पर बाहर के जंक फूड और वातित पेय से दूर रहती हैं। बहुत ज्यादा तेल नहीं लगाती क्योंकि उन्हें एहसास हो गया है कि त्वचा तुरंत उस चीज पर प्रतिक्रिया करती है जो कोई भी खाता है। उन्होंने आगे कहा, आपका भोजन जितना अधिक प्राकृतिक और स्वच्छ होगा, आप उतना ही हल्का महसूस करेंगे और दिखेंगे। साथ ही, पानी मेरा सबसे अच्छा दोस्त है।

मैं दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना सुनिश्चित करती हूँ क्योंकि यह मेरी त्वचा को कोमल बनाए रखता है और सिस्टम को डिटॉक्सीफाई करता है। मैं अपने भोजन के बारे में बहुत सचेत रहती हूँ और ध्यानपूर्वक अनुपात का पालन करती हूँ। मैं सप्ताह में एक बार खुद को कुछ खाने की अनुमति भी देती हूँ। कोई क्रैश डाइट नहीं, एक अनुशासित जीवनशैली, पौष्टिक भोजन और प्राकृतिक, स्वच्छ भोजन, आपकी त्वचा और समग्र स्वास्थ्य में बहुत बड़ा अंतर लाता है।

अभिनेत्री ने अपनी माँ से मिले एक अनमोल स्किनकेयर रहस्य को भी साझा किया-एक घर का बना चावल का पानी फेस मास्क जिसे वह बहुत पसंद करती हैं। मेरी माँ ने मुझे यह नुस्खा सिखाया और यह अब कई सालों से मेरे दिनचर्या का हिस्सा है। यह कोमल, प्रभावी है और मेरी त्वचा को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखता है। सामग्री में 1 बड़ा चम्मच कच्चा चावल, आधा कप पानी, 2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल, 1 चम्मच ग्लिसरीन, 1 चम्मच गुलाब जल और 1-2 विटामिन ई कैप्सूल शामिल हैं। उन्होंने विधि भी साझा की, उन्होंने कहा, मैं एक बड़ा चम्मच कच्चे चावल को रात भर आधे कप पानी में भिगोती हूँ। सुबह, मैं उस किण्वित पानी का एक चम्मच लेती हूँ और उसमें दो चम्मच एलोवेरा जेल, एक चम्मच ग्लिसरीन, एक चम्मच गुलाब जल और दो विटामिन ई कैप्सूल मिलाती हूँ। मैं इसे फ्रिज में रखती हूँ और दिन में दो बार इसका इस्तेमाल करती हूँ, खासकर सोने से पहले मास्क के रूप में। यह रात भर त्वचा में समा जाता है और जागने पर त्वचा को तरोताजा, पोषित और युवा महसूस कराता है। सीरत का दर्शन सरल है - निरंतरता, अनुशासन और प्राकृतिक देखभाल।

बेटी देवी के 'पसंदीदा इंसान' उनके पिता करण सिंह ग्रोवर नहीं हैं, बिपाशा बसु ने किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेत्री बिपाशा बसु ने खुलासा किया कि उनकी बेटी देवी के 'पसंदीदा इंसान' कौन हैं - और यह उनके पिता करण सिंह ग्रोवर नहीं हैं। 'अलोन' अभिनेत्री ने अपने पिता हीरक बसु को उनके जन्मदिन पर बधाई देने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया और खुलासा किया कि वह उनकी छोटी बेटी के पसंदीदा व्यक्ति हैं।

बिपाशा ने अपने पिता के साथ यादों को समेटे हुए एक दिल को छू लेने वाला वीडियो मोंटाज शेयर किया। इस मार्मिक क्लिप में हीरक बसु के साथ करण सिंह ग्रोवर की झलकियाँ भी शामिल हैं, साथ ही छोटी देवी के अपने दादा के साथ खेलते हुए प्यारे पल भी हैं। इसमें छुट्टियों और सैर-सपाटे की कई पारिवारिक तस्वीरें भी हैं।

कैप्शन के लिए, 'फिर हेरा फेरी' अभिनेत्री ने लिखा, दुनिया के सबसे अच्छे पिता को जन्मदिन की शुभकामनाएं। हमेशा स्वस्थ, खुश, मजाकिया, आनंदित रहें। हम सभी बहुत भाग्यशाली हैं कि आप हमारे पापा हैं। देवी के पसंदीदा इंसान- उनके दादू। अभिनेत्री ने वीडियो के बैकग्राउंड स्कोर के रूप में द किबूमर्स का लोकप्रिय ट्रैक 'आई लव यू डैडी' भी जोड़ा। इस बीच, बिपाशा बसु ने हाल ही में करण सिंह ग्रोवर के साथ अपनी नौवीं शादी की सालगिरह मनाई।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावनात्मक वीडियो कोलाज साझा किया, जिसमें उनकी शादी, रिसेप्शन और नौ सालगिरह की अनमोल यादें दिखाई गईं, जिन्हें उन्होंने और करण सिंह ग्रोवर ने पिछले कुछ सालों में मनाया है। मोंटाज का अंत मालदीव में अपनी छुट्टी के दौरान अपनी बेटी देवी के साथ खुशी से केक काटते हुए जोड़े के एक कोमल पल के साथ हुआ। बिपाशा ने पोस्ट को कैप्शन दिया, मेरी हर चीज, मंकीलव फॉरएवर को 9वीं मंकीवर्सरी की शुभकामनाएं। जो लोग नहीं जानते, बिपाशा और करण की पहली मुलाकात उनकी फिल्म अलोन के सेट पर हुई थी और दोनों जल्द ही एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए। इस जोड़े ने 30 अप्रैल, 2016 को शादी की। अगस्त 2022 में, उन्होंने अपने पहले बच्चे, देवी बसु सिंह ग्रोवर नाम की एक बेटी का स्वागत किया। काम के मोर्चे पर, 46 वर्षीय अभिनेत्री ने 2001 में थ्रिलर अजनबी से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की।

उन्होंने 2003 में कामुक थ्रिलर जिस्म से व्यापक ध्यान आकर्षित किया और नो एंट्री, धूम 2, फिर हेरा फेरी, ऑल द बेस्ट: फन बिगिन्स, रेस और बचना ऐ हसीनों जैसी फिल्मों में अभिनय किया। 2010 के दशक में, उन्होंने राज 3डी, आत्मा, क्रिएचर 3डी और अलोन जैसी फिल्मों के साथ हॉरर शैली में अपनी पहचान बनाई। अभिनय से ब्रेक लेने के बाद, बिपाशा ने 2020 में वेब सीरीज डेंजरस के साथ पर्दे पर वापसी की, जो एक क्राइम थ्रिलर है जिसमें करण सिंह ग्रोवर, सोनाली राउत, नताशा सूरी, सुयश राय और नितिन अरोड़ा ने सह-अभिनय किया।

एक्ट्रेस पलक तिवारी ने मॉरिशस वेकेशन से शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें, फैंस हुए दीवाने

एक्ट्रेस पलक तिवारी अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश अंदाज से एक बार फिर सुर्खियों में हैं। पलक ने हाल ही में मॉरिशस वेकेशन से अपनी कुछ बेहद स्टनिंग तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। पलक ने अपने वेकेशन एल्बम में पिंक और पर्पल क्रोशिया बिकिनी सेट में फोटो शेयर की हैं।

खुले बाल, सटल मेकअप और बीच बैकग्राउंड के साथ उनका ये बोल्ड अवतार इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। पलक ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, पीटी में मॉरीशस-एक एल्बम और कुछ ही घंटों में तस्वीरों पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स की बरसात हो गई।

फैंस ने उनकी तस्वीरों पर गॉर्जियस, स्टनिंग जैसे कमेंट्स किए और हार्ट व फायर इमोजी से कमेंट सेक्शन भर दिया। पलक तिवारी का ये बीच लुक एक बार फिर यह साबित करता है कि वह सिर्फ एक्टिंग में ही नहीं, बल्कि फैशन और स्टाइल के मामले में भी यूथ आइकन बन चुकी हैं। उनके इस वेकेशन लुक ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है और फैंस अब उनकी अगली पोस्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

पलक तिवारी को आखिरी बार संजय दत्त और मौनी रॉय के साथ हॉरर कॉमेडी फिल्म द भूतनी में देखा गया था। फिल्म ने दर्शकों को निराश किया था। अब उनके फैंस पलक के नए प्रोजेक्ट का बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं।

पंचायत की रिंकी ने जताई असहजता, एक्ट्रेस सान्विका ने कहा- जितेंद्र को चूमना था अजीब

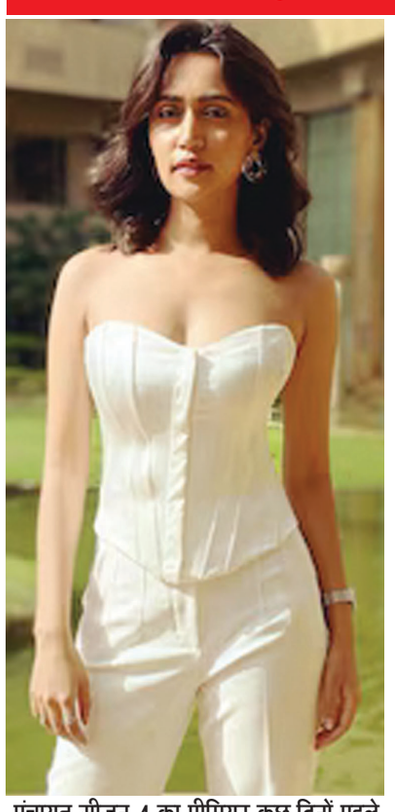

पंचायत सीजन 4 का प्रीमियर कुछ दिनों पहले हुआ था और इसे बहुत ज्यादा पसंद नहीं किया गया। यह सीरीज काल्पनिक शहर फुलेरा में सेट है और इसमें जितेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक, चंदन रॉय और पंकज झा जैसे कलाकार हैं।

सबसे लोकप्रिय वेब सीरीज में से एक के रूप में, इसने कई अभिनेताओं को प्रसिद्धि दिलाई, जिसमें रिंकी का किरदार निभाने वाली सान्विका भी शामिल हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में, उन्होंने अपने किरदार और जितेंद्र कुमार के बीच प्रस्तावित किसिंग सीन को लेकर अपनी शुरुआती असहजता साझा की, जिसे बाद में संशोधित किया गया। जस्ट टू फिल्मी के साथ एक इंटरव्यू में, सान्विका ने पंचायत के लिए किसिंग सीन फिल्माने को लेकर अपनी असहजता साझा की।

उन्होंने कहा, शुरू में, किसी ने भी नैरेशन के दौरान इसका जिक्र नहीं किया। बाद में, निर्देशक अक्षत ने मुझसे बात की और बताया कि इस सीजन में एक किसिंग सीन शामिल होगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक ऐसा पल जोड़ा है जिसमें सचिव जी और रिंकी किस करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि यह सीन मूल रूप से अलग था और कहा, मैंने यह तय करने के लिए दो दिन मांगे कि क्या मैं इसे करने में सहज हूँ। मैंने सोचा कि पंचायत के दर्शक कितने विविध हैं, खासकर परिवार।

सान्विका ने जीतेंद्र कुमार के सपोर्ट के बारे में भी बात की और कहा, जीतू बहुत अच्छे इंसान हैं। वो आपको सहज महसूस कराते हैं। मुझे चिंता थी कि लोग कैसे रिएक्ट करेंगे और मैं भी सहज नहीं थी। लेकिन जब हम शूटिंग कर रहे थे, तो उन्होंने उस सीन को हटा दिया और टंकी वाला सीन डाल दिया। उन्होंने कहा कि हम इसे खराब तरीके से नहीं दिखाएंगे और इसे खूबसूरती से शूट करेंगे। लेकिन जब हम शूटिंग कर रहे थे, तो यह अजीब लगा। अभी तक इस बारे में परिवार से कोई बात नहीं हुई है। लेकिन वे मुझे बहुत समझते हैं, वे इससे निपट लेंगे।

इन 5 फलों को फ्रिज में न रखें, स्वाद और पोषण हो सकता है प्रभावित

फल और सब्जियां सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं और इनका सेवन किसी भी रूप में किया जा सकता है। इनका सेवन कच्चा, सलाद, जूस और स्मूदी के रूप में किया जा सकता है। हालांकि, कई लोग फल को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए फ्रिज में रख देते हैं, लेकिन ऐसा करना गलत है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे फल के बारे में बताते हैं, जिन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।

केले

केले एक ऐसा फल है, जिसे ठंडे तापमान में रखने से बचना चाहिए। केले को फ्रिज में रखने से इसका स्वाद बिगड़ सकता है और पोषक तत्व कम हो सकते हैं। इसके अलावा ठंड के कारण केले के छिलके पर काले धब्बे पड़ जाते हैं। ये धब्बे हानिकारक नहीं होते, लेकिन केले की ताजगी खराब कर सकते हैं और खाने की इच्छा कम कर सकते हैं। बेहतर होगा कि आप केले को किसी कमरे के तापमान वाले स्थान पर रखें।

तरबूज

तरबूज को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। ठंडा तापमान तरबूज की मिठास को कम कर सकता है और इसका स्वाद बिगड़ सकता है। इसके अलावा ठंड के कारण तरबूज के गूदे में दरारें पड़ जाती हैं, जिससे उसका रस निकलने लगता है और यह जल्दी खराब हो सकता है। तरबूज को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए इसे किसी ठंडी जगह पर रखें ताकि इसका स्वाद और पोषण बरकरार रहे।

पपीता

पपीता को भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए। ठंडा करने से पपीते का स्वाद बिगड़ सकता है और यह जल्दी खराब हो सकता है। पपीते में मौजूद तत्व भी ठंड के कारण प्रभावित होते हैं, जिससे उसका स्वाद बिगड़ सकता है। इसके अलावा पपीते को फ्रिज में रखने से इसके पोषक तत्व भी कम हो सकते हैं इसलिए पपीते को किसी कमरे के तापमान वाले स्थान पर रखें।

लीची

अगर लीची को फ्रिज में रखा जाए तो इसके कारण लीची का स्वाद और ताजगी दोनों ही बिगड़ जाते हैं। इसके अलावा लीची को फ्रिज में रखने से इसके पोषक तत्व भी कम हो सकते हैं। अगर आप लीची को लंबे समय तक ताजा, स्वादिष्ट और पौष्टिक रखना चाहते हैं तो इसे फ्रिज में रखने की बजाय किसी कमरे के तापमान वाले स्थान पर रखें।

आम

आम को भी ठंडे स्थान पर नहीं रखना चाहिए। ठंडा तापमान आम का स्वाद कम कर सकता है और यह जल्दी खराब हो सकता है। इसके अलावा ठंड के कारण आम के गूदे में दरारें पड़ जाती हैं, जिससे उसका रस निकलने लगता है और वह जल्दी सड़ सकता है। आम को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए इसे घर की किसी ठंडी जगह पर रखें।

बिना प्रेस के भी दूर हो सकती हैं कपड़ों की सिलवटें, आजमाकर देखें ये तरीके

कपड़े धोने के बाद उन पर सिलवटें पड़ना लाजमी होता है। हालांकि, ऐसे कपड़ों को पहनकर घर से बाहर जाना संभव नहीं होता। सिलवटों वाले कपड़े पहनने पर लोग आपको गंभीरता से नहीं लेंगे और एक बुरा प्रभाव भी पड़ेगा। अगर, आप किसी ऐसे स्थान पर हैं, जहां प्रेस उपलब्ध नहीं है तो घबराएं नहीं। आप इन घरेलू नुस्खों और फैशन टिप्स का पालन करके इस्त्री का इस्तेमाल किए बिना भी अपने कपड़ों से सिलवटें हटा सकते हैं।

हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करें

अगर आपके पास प्रेस नहीं है तो आप हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करके भी कपड़ों को प्रेस कर सकते हैं। इसके लिए कपड़ों को हल्का-सा गीला कर लें। अब ड्रायर का तापमान कम करें और कपड़े पर घुमाते हुए झुर्रियों को दूर करें। इस दौरान ध्यान रखें कि ड्रायर कपड़े से 2 से 3 इंच दूर हो। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपका कपड़ा जल भी सकता है या उस पर दाग पड़ सकते हैं।

गीले कपड़े व भारी वस्तु का उपयोग

इस्त्री के बिना कपड़ों को प्रेस करने के लिए आप उन्हें गीला भी कर सकते हैं। कपड़ों को समतल सतह पर रखें और एक साफ कपड़े को गीला करके सिलवटों के ऊपर रखें। इसके बाद गीले कपड़े के ऊपर किताब या डिब्बे आदि जैसी कोई भारी वस्तु रख दें। सिलवटों को समतल करने के लिए इसे कुछ देर के लिए रखा रहने दें। इससे थोड़ी-ही देर के बाद सिलवटें दूर हो जाएंगी।

भांप दें : कपड़ों की सिलवटें दूर करने के लिए केवल प्रेस ही नहीं, बल्कि स्टीम आयरन भी उपयोग आ सकती है। इस उपकरण से भांप निकलती है, जिससे सिलवटों को दूर किया जा सकता है। अगर आपके पास यह न हो तो भी आप कपड़ों में भांप लगा सकते हैं। जब आप गर्म पानी से नहा रहे हों तो कपड़ों को बाथरूम में टांग दें। इससे सिलवटें ढीली हो जाती हैं, जिससे उन्हें हाथों से या खींचकर दूर किया जा सकता है।

जोर-जोर से हिलाएं : अगर आपके पास बहुत

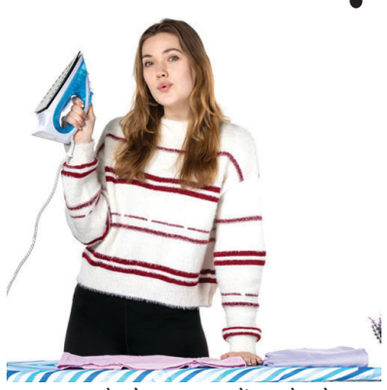

कम समय है तो आप हवा में कपड़े को सुखा सकते हैं। इसके लिए कपड़े को गीला कर लें और किसी ऐसी जगह पर खड़े हो जाएं जहां हवा हो। अब कपड़े को एक ओर से खुद पकड़ें और दूसरी ओर से किसी और को पकड़ा दें। उसे जोर-जोर से झटकते हुए हिलाएं। यह तरीका साड़ी, सूट और शॉल आदि को सुखाने के लिए सबसे कारगर होता है।

कैजुअल कपड़ों के साथ इन 5 फुटवियर्स को पहनें, लगेंगी सबसे ज्यादा खूबसूरत

आजकल के लोग फैशन के साथ-साथ आराम पर भी ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। यही वजह है कि रोजमर्रा के उपयोग के लिए कपड़े और फुटवियर्स का चलन बढ़ता जा रहा है। कैजुअल कपड़ों के साथ सही फुटवियर्स चुनना बहुत जरूरी है ताकि आपका लुक पूरा हो सके। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे फुटवियर्स के बारे में बताएंगे, जो आपके कैजुअल लुक को और भी खास बना सकते हैं।

स्नीकर्स : स्नीकर्स एक ऐसा जूता है, जो किसी भी रोजमर्रा के कपड़े के साथ अच्छे से मेल खाता है। ये न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिखते हैं। स्नीकर्स को आप जींस, लोअर या यहां तक कि कुर्ते के साथ भी पहन सकती हैं। ये आपके लुक को न केवल आकर्षक बनाते हैं बल्कि पूरे दिन आराम भी देते हैं। इसलिए अगर आप रोजमर्रा के उपयोग के लिए कुछ चुनने जा रही हैं तो स्नीकर्स पर ध्यान दें।

फ्लैट सैंडल्स : फ्लैट सैंडल्स गर्मियों में सबसे अच्छे विकल्प होते हैं क्योंकि ये पैरों को हवा लगने देते हैं और चलने में कोई दिक्कत नहीं होती है। इन्हें आप किसी भी तरह की रोजमर्रा की पोशाक के साथ पहन सकती हैं जैसे कि ड्रेस, जींस या लोअर। फ्लैट सैंडल्स आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी होते हैं, जिससे आपका लुक खास बनता है। इनका चयन करते समय अपने आराम और स्टाइल पर ध्यान दें।

लोफर्स : लोफर्स एक ऐसा जूता है, जो किसी भी तरह की रोजमर्रा की पोशाक के साथ अच्छे से मेल खाता है। ये न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिखते हैं। लोफर्स को आप जींस, लोअर या यहां तक कि कुर्ते के साथ भी पहन सकती हैं। इनका चयन करते समय अपने आराम और स्टाइल पर ध्यान दें ताकि आप पूरे दिन बिना किसी परेशानी के इन्हें पहन सकें।

एंकल बूट्स : एंकल बूट्स सर्दियों में सबसे अच्छे विकल्प होते हैं क्योंकि ये पैरों को गर्म रखते हैं और ठंड से बचाते हैं। इन्हें आप किसी भी तरह की रोजमर्रा की पोशाक जैसे कि ड्रेस, जींस या लोअर आदि के साथ पहन सकती हैं। एंकल बूट्स स्टाइलिश होने के साथ-साथ आरामदायक भी होते हैं, जिससे आपका लुक खास बनता है। इनका चयन करते समय अपने आराम और स्टाइल पर ध्यान दें।

फ्लैट बेली : फ्लैट बेली गर्मियों में सबसे अच्छा विकल्प होता है क्योंकि ये पैरों को हवा लगने देते हैं और चलने में कोई दिक्कत नहीं होती। इन्हें आप किसी भी तरह की रोजमर्रा की पोशाक जैसे कि ड्रेस, जींस या लोअर आदि के साथ पहन सकती हैं। फ्लैट बेली स्टाइलिश होने के साथ-साथ आरामदायक भी होते हैं, जिससे आपका लुक खास बनता है। इनका चयन करते समय अपने आराम और स्टाइल पर ध्यान दें।

कला को सम्मान और कारीगरों की समृद्धि हमारी प्राथमिकताः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि पारंपरिक रूप से बुनाई, कढ़ाई, हस्तशिल्प और माटी कला से जुड़े कारीगरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए विशेष रणनीति तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि पीढ़ी दर पीढ़ी इस कार्य में लगे लोगों की आजीविका को पुनर्जीवित करना और उनकी आय बढ़ाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में ग्रामोद्योग विभाग के कार्यों और गतिविधियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान राज्य में रेशम, हस्तशिल्प, खादी, हथकरघा और माटीकला से जुड़े पारंपरिक कारीगरों, बुनकरों और उत्पादों को प्रोत्साहन देने तथा उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने बैठक में ग्रामोद्योग विभाग के अंतर्गत शामिल सभी घटकों से जुड़ी आधारभूत जानकारी ली और कहा कि इन क्षेत्रों में रोजगार की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, आधुनिक तकनीक और विपणन के लिए ठोस एवं समन्वित कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि स्थायी रूप से रोजगार के अवसरों का सृजन हो सके।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रेशम उत्पादन, कोसा वस्त्र निर्माण और हथकरघा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की परंपरा और दक्षता को नई ऊंचाई देने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में संचालित भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान के माध्यम से कुशल कारीगरों की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है। उन्होंने संस्थान के सुचारु संचालन की दिशा में भी ठोस कदम उठाने की बात कही। साय ने कहा कि विभाग द्वारा प्रशिक्षण के लिए जो राशि आबंटित की जाती है, उसका पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि कारीगरों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिल सके।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पारंपरिक शिल्प और बुनाई से जुड़े अत्यंत कुशल कारीगर मौजूद हैं, जो पीढ़ियों से बेहद सुंदर और आकर्षक कलाकृतियां एवं उत्पाद तैयार करते आ रहे हैं। ये हस्तनिर्मित वस्तुएं लोगों को काफी पसंद आती हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्देश दिए कि इन उत्पादों को राज्य और देश के बड़े बाजारों तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बिक्री और निर्यात की संभावनाओं को सक्रिय रूप से तलाशने के लिए विशेषज्ञों की मदद लेने की बात भी उन्होंने कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूनिटी मॉल का निर्माण समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए, ताकि राज्य के उत्पादों को विशेष स्थान और ब्रांडिंग मिल सके तथा छत्तीसगढ़ की पारंपरिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूती से प्रस्तुत किया जा सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश में रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गंभीरता से प्रयास किए जाएं। इस क्षेत्र में नई तकनीकों का उपयोग कर उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में सुधार लाया जाए, ताकि रेशम उद्योग को मजबूती मिले और अधिक से अधिक लोगों को इससे रोजगार उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि हम अपने पारंपरिक कारीगरों और बुनकरों की कला को सम्मान देकर ही उनके जीवन को समृद्ध बना सकते हैं।

खनिज आधारित उद्योगों से राज्य के विकास को मिलेगी नई गतिः पी. दयानंद

200 मिलियन टन से अधिक सीमेंट ग्रेड चूना पत्थर की नीलामी के लिए प्री-बिड सम्मेलन में शामिल हुए निवेशक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में खनिज क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए चूना पत्थर, लौह अयस्क और बॉक्साइट खनिज के नए ब्लॉकों की ई-नीलामी प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इसी क्रम में आज नवा रायपुर अटल नगर में निवेशकों के लिए प्री-बिड सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस प्री-बिड सम्मेलन का उद्देश्य राज्य की समृद्ध खनिज संपदा को औद्योगिक निवेश के लिए उपलब्ध कराना, स्थानीय विकास को बढ़ावा देना तथा पारदर्शी ई-नीलामी प्रणाली के माध्यम से निवेशकों को आकर्षित करना है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमत्री के सचिव एवं खनिज सचिव पी. दयानंद ने कहा कि हमें नई औद्योगिक नीति के अनुरूप खनिज क्षेत्र के विकास के साथ 'विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़' के संकल्प को साकार करना है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में खनिज नीति और नई उद्योग नीति से खनिज आधारित उद्योगों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। राज्य में खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना के लिए भरपूर संभावनाएं हैं।

खनिज सचिव पी. दयानंद ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का ऐसा राज्य है, जहां कोयला, चूना पत्थर, डोलोमाइट, लौह अयस्क, बॉक्साइट, टिन, लीथियम, कोबाल्ट तथा रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे 28 से अधिक प्रमुख खनिजों की भरपूर उपलब्धता है। छत्तीसगढ़ में अब तक 51 खनिज ब्लॉकों की सफल नीलामी हो चुकी है और आने वाले समय में इस संख्या को और आगे बढ़ाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा गठित स्पेशल टास्क फोर्स के माध्यम से विभिन्न खनिज समूहों के लिए अनुसंधान किया जा रहा है। इसके साथ ही सोनाखान भवन में एक ड्रिल कोर लाइब्रेरी स्थापित की जा रही है, ताकि अन्वेषण की गुणवत्ता और सटीकता को सुदृढ़ किया जा सके।

खनिज सचिव दयानंद ने यह भी बताया कि डीजीएम द्वारा चयनित कुल 9 खनिज ब्लॉकों की नीलामी की जा रही है, जिनमें 4 चूना पत्थर, 2 लौह अयस्क और 3 बॉक्साइट ब्लॉक शामिल हैं। इन ब्लॉकों में उपलब्ध संसाधनों का वाणिज्यिक दोहन निवेशकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। चूना पत्थर के 200 मिलियन टन से अधिक भंडार बलौदाबाजार, सूरजपुर और बलरामपुर जिलों में स्थित हैं, जिनमें औसतन 42 प्रतिशत से अधिक कैल्शियम ऑक्साइड की मात्रा आंकी गई है। उन्होंने निवेशकों से आग्रह किया कि वे इन ब्लॉकों को एक आकर्षक औद्योगिक अवसर के रूप में देखें और छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीतियों का लाभ उठाएं। राज्य सरकार निवेशकों को हरसंभव सहयोग, पारदर्शिता और समयबद्ध अनुमतियां सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

खनिज विभाग के संचालक श्री रजत बंसल ने ई-नीलामी प्रणाली की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि निविदा पोर्टल पर सभी खनिज ब्लॉकों से संबंधित विवरण उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित क्षेत्रों में रेलवे और सड़क जैसे मजबूत आधारभूत ढांचे के साथ स्थानीय श्रमशक्ति भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जिससे उद्योगों की स्थापना सुगम और आर्थिक रूप से व्यावहारिक होगी। प्रति वर्ष 3-4 मिलियन टन उत्पादन क्षमता वाले उद्योगों की स्थापना की संभावना के साथ इन क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर व्यापक रोजगार सृजन होगा।

इस अवसर पर कार्यक्रम में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के उप महानिदेशक अमित धारवाड़कर, संयुक्त संचालक अनुराग दीवान, संजय कनकाने सहित विभिन्न निवेशक, औद्योगिक प्रतिनिधि, भूवैज्ञानिक एवं तकनीकी विशेषज्ञ तथा खनिज एवं उद्योग विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

भूजल संरक्षण की दिशा में सरगुजा जिला प्रशासन की नई पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरगुजा जिले में जल संरक्षण और भूजल स्तर बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा बोरवेल सैंड रिचार्ज फिल्टर योजना की शुरुआत की गई है। इस नवाचार के माध्यम से वर्षा जल को बर्बाद होने से बचाकर सीधे भूजल भंडारण में पहुँचाया जाएगा। कलेक्टर विलास भोसकर के नेतृत्व में सभी शासकीय भवनों, स्कूलों, पंचायत परिसरों और सार्वजनिक स्थलों में ड्राई बोरवेल में बोरवेल सैंड रिचार्ज फिल्टर लगाए जा रहे हैं।

यह विशेष फिल्टर रेत, चारकोल और गिट्टी की परतों से बना होता है, जो बारिश के पानी को शुद्ध कर भूमिगत जलस्रोतों में पहुँचाता है। इससे न केवल जलस्रोतों का पुनर्भरण होगा, बल्कि बोरवेल की आयु और क्षमता भी बढ़ेगी।

जिले में बारिश के पानी का अधिकतम उपयोग कर जल संकट को दूर करने में यह तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने इस पहल का स्वागत किया है और इसे जिले में जल संवर्धन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। वर्षा जल संचयन और भूजल स्तर को सुधारने के लिए सभी विभागों और आमजन की सक्रिय भागीदारी से वर्षा जल का हर बूंद संरक्षित कर भू-जल स्तर बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

पीएम सूर्य घर योजना से रवींद्र सिंह को मिली राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने आम लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। यह योजना बिजली के साथ आर्थिक बचत और पर्यावरण सुरक्षा दोनों के लिए लाभदायक है। हर घर को ऊर्जा का केंद्र बनाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

सूरजपुर जिला निवासी रवींद्र सिंह ने इस योजना के तहत अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर रूफ्टॉप सिस्टम लगवाया है। श्री सिंह ने इस योजना का लाभ लेने के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया, जिसके बाद डिस्कॉम से पंजीकृत वेंडर द्वारा उनके घर में सोलर यूनिट लगाई गई।उन्होनें बताया कि उनके घर में पहले प्रतिदिन 12 से 13 यूनिट बिजली की खपत होती थी, लेकिन अब उनके घर में स्थापित सोलर सिस्टम से रोजाना 17 से 19 यूनिट बिजली का उत्पादन हो रहा है। इस कारण अब उनका बिजली बिल शून्य नहीं बल्कि माइनस में आ रहा है और हर महीने ऊर्जा क्रेडिट भी मिल रहा है, जो भविष्य के बिल में समायोजित होता है।

रवींद्र सिंह ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना ने हमें न सिर्फ बिजली बिल से मुक्ति दिलाई, बल्कि पर्यावरण की रक्षा में भी हमारा योगदान बढ़ाया है। मैं सभी लोगों से अपील करता हूं कि इस योजना का लाभ लें और आत्मनिर्भर बनें।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाः पर्यावरण संरक्षण की ओर एक सशक्त कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आज देश के आम नागरिकों के लिए न केवल स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि यह आर्थिक सशक्तिकरण का भी सशक्त माध्यम बन रही है। इस योजना के अंतर्गत आमजन को रियायती दरों पर घर की छतों पर सोलर पैनल लगाने की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे वे खुद की बिजली जरूरतें पूरी कर सकें और बिजली बिलों से राहत पा सकें।

कोरबा जिले के कटघोरा निवासी गोरे सिंह राजपूत ने इस योजना का लाभ लेकर अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगवाया है। पहले जहां हर माह उन्हें ढाई से तीन हजार बिजली बिल चुकानी पड़ती थी, वहीं अब मासिक बिजली बिल लगभग शून्य है। योजना का लाभ लेकर श्री राजपूत अपनी घरेलू विद्युत आपूर्ति हेतु बिजली पैदा कर रहे हैं, साथ ही बिजली बिल के भुगतान की राशि की बचत कर लाभ अर्जित कर रहे हैं। यह न केवल आर्थिक राहत है, बल्कि बिजली जैसी महत्वपूर्ण ऊर्जा उत्पादन में अपनी अहम योगदान दे रहें है। यह पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एक नई सोच की शुरुआत है, बिजली बनाओ, बचत बढ़ाओ और पर्यावरण बचाओ।

हितग्राही राजपूत ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत घर पर सोलर पैनल लगवाने का निर्णय लिया। परम्परागत ऊर्जा स्रोतों के बेहतर विकल्प एवं हरित ऊर्जा के प्रमुख स्रोत सौर ऊर्जा को अपनाने का निश्चय किया। सौर ऊर्जा पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी लाभदायक है। इससे किसी प्रकार का प्रदूषण नही होता न ही प्रकृति को हानि नही पहुँचती।

हितग्राही राजपूत ने योजना से हो रहे लाभ के बारे में बताया कि सोलर पैनल लगवाने के बाद से उनका मासिक बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है। यह योजना मेरे जैसे मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बहुत फायदेमंद है। स्वच्छ ऊर्जा अपनाकर न केवल पर्यावरण की रक्षा कर रहे हैं, बल्कि हर माह की बचत से भविष्य की योजनाओं को साकार करना भी संभव हो रहा है। उन्होंने बताया कि एक वर्ष पूर्व उनके द्वारा योजना का लाभ पाने के लिए आवेदन किया गया था, कुछ ही दिनों में विभागीय स्वीकृति के बाद उनके छत पर 1.95 लाख रुपए की लागत से 3 किलोवाट का सोलर पैनल लग गया। इसके लिए उन्हें केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार की सब्सिडी भी प्राप्त हुई। लाभार्थी श्री गोरेसिंह राजपूत की इस पहल से न सिर्फ उनका जीवन आसान हुआ है, बल्कि यह प्रेरणा बन गई है।

रत्नावली कौशल ने मंत्री दयाल दास बघेल के जन्मदिन को जनसेवा दिवस के रूप में मनाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। भाजपा नेत्री एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाया। जन्म दिवस पर गगनभेदी नारों के बीच पुष्प गुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत अभिनंदन किया। रत्नावली कौशल के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में पूरे छत्तीसगढ़ में उनसे जुड़े कार्यकर्त्ताओं ने स्वास्थ्य शिविर,औषधि वितरण,रक्तदान शिविर,भंडारा लगाकर एवं जनसेवा के कार्य कर मंत्री दयाल दास बघेल का जन्मदिन मनाया।

खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल के जन्मदिन पर रत्नावली कौशल ने सबसे पहले जैतखाम और बाबा गुरु घासीदास के चित्र की पूजा अर्चना कर श्री बघेल के दीर्घायु होने की कामना की। इस दौरान उनके साथ सतनामी समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित थे। सभी ने पूजा अर्चना कर गुरु घासीदास जी से प्रार्थना की कि मंत्री दयाल दास को लंबी उम्र दें,ताकि वे सत्य के मार्ग पर चलते हुए जनसेवा करते रहें। इसके बाद रत्नावली कौशल और अन्य लोग विभिन्न मंदिरों, मजारों, चर्च, गुरुद्वारा में भी गए। हर धर्म स्थल पर मंत्री दयाल दास बघेल के जीवन में खुशहाली और उनकी लंबी आयु के लिए प्रार्थना की गई। रत्नावली कौशल ने गरीब तबके के विद्यार्थियों को पेन, कॉपियां, किताबें, कपड़े, गरीबों को अन्न आदि का वितरण किया। सुश्री कौशल ने अस्पताल जाकर मरीजों के सेब अनार आदि फ्ल वितरित किए।

रत्नावली कौशल के मार्गदर्शन में मुंगेली जिले के कई मुख्य स्थानों तथा राज्य के रायपुर, राजनांदगांव, दुर्ग, कवर्धा, खैरागढ़, अंबागढ़ चौकी, मोहला, मानपुर, कोंडागांव, कांकेर, बस्तर, नारायणपुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर, चिरमिरी, सरगुजा, रायगढ़, कोरिया समेत अन्य जिलों में वृहद स्तर पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में रोगग्रस्त लोगों का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा किया गया।. मरीजों को निशुल्क दवाएं भी दी गईं। रक्तदान शिविरों में सैकड़ों युवक युवतियों ने रक्तदान किया। एकत्रित रक्त विभिन्न अस्पतालों के ब्लड बैकों में जमा कराया गया। यह रक्त जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने इन शिविरों की मॉनिटरिंग करती रहीं और जरूरी साधन उपलब्ध करवाती रहीं। रत्नावली ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर मंत्री दयाल दास बघेल के जन्मदिन को पूरे छत्तीसगढ़ में ऐतिहासिक और यादगार बना दिया। दूर दराज के जिलों के जो लोग दयाल दास बघेल की जन्मतिथि से अनजान थे, उन्हें भी पता चल गया कि श्री बघेल का जन्मदिन है।

खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल के जन्मदिन पर आयोजित समरोहों में भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने सारगर्भित विचार रखे। उन्होंने कहा कि दयाल दास जी की माता धन्य हैं, जिन्होंने अपनी कोख से सेवाभावी संतान को जन्म दिया है। उस माता को मैं वंदन करती हूं, नमन करती हूं। ऐसी मांएं किस्मत वाली होती हैं, जिनकी कोख से दयाल दास जी बघेल जैसा पुत्र जन्म लेता है। श्री बघेल ने अपने सेवा भाव परोपकारी कार्यों और जन मानस के हित में अपना जीवन लगा दिया है। वे वास्तव में बाबा गुरु घासीदास जी के आदर्शो और सिद्धांतों पर चलते हुए निस्वार्थ भाव से जनहित में कार्य कर रहे हैं। वे हमारे सतनामी समाज के अनमोल नगीना हैं। दयाल दास बघेल जैसे ही जनप्रतिनिधि हमारे समाज का गौरव बढ़ाते हैं। रत्नावली कौशल ने कहा कि हम सभी ने डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्री रहते एक मंत्री के रूप में दयाल दास बघेल के नेक कार्यों को देखा था और आज मुख्यमंत्री विष्णु देव के नेतृत्व में श्री बघेल के अतुलनीय कार्यों को देख रहे हैं। मुझे गर्व है कि हमारे समाज के दयाल दास बघेल गुरु घासीदास बाबा के संदेश, उपदेश को अपने कार्यों के बूते जन जन तक पहुंचा रहे हैं।

पीएम सूर्य घर योजना से ओमप्रकाश उपाध्याय को बिजली बिल से मिली आजादी

रायपुर। केन्द्र सरकार की 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' से अब आम लोग स्वयं के घर में बिजली बनाकर न केवल बिजली बिल से मुक्ति पा रहे हैं, बल्कि हर महीने बिजली विभाग से अतिरिक्त यूनिट के बदले लाभ भी कमा रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से आम परिवार बिजली में आत्मनिर्भर बन रहे हैं और हर महीने की बचत से आर्थिक रूप से भी सशक्त हो रहे हैं।

इसी कड़ी में सूरजपुर जिले के सतपता, विश्रामपुर निवासी ओमप्रकाश उपाध्याय भी लाभान्वित हुए है। उन्होंने इस योजना का लाभ उठाते हुए अपने घर की छत पर 3 किलोवॉट का सोलर रूफ्टॉप सिस्टम लगाया है। श्री उपाध्याय ने 7 मार्च 2025 को योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसके बाद डिस्कॉम से पंजीकृत वेंडर द्वारा उनका सोलर सिस्टम स्थापित किया गया।

खास खबर

युवती ने की खुदकुशी

दंतेवाड़ा। जिले में एक युवती ने अपने घर पर ही फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली है। पाइप पर गमछा का फंदा बनाया और झूल गई। फिलहाल सुसाइड का कारण अज्ञात है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मृत युवती का नाम श्यामबती कड़ती (23) है। ये दंतेवाड़ा के कुम्हाररास की रहने वाली थी। मजदूरी का काम करती थी। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले शाम 6 बजे काम कर लौटी थी। रात में परिजनों के साथ खाना खाई।

फिर अपने कमरे में सोने चले गई थी। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। वहीं सुबह यह जल्दी नहीं उठी। जिसके बाद परिजनों को शक हुआ। उन्होंने दरवाजा खटखटाया। जब अंदर से कोई भी रिस्पॉन्स नहीं मिला तो दरवाजा को तोड़ा गया। जब परिजन अंदर गए तो उन्होंने फंदे से लटकती अपनी बेटी की लाश देखी। रोने और शोरगुल की आवाज सुनकर पड़ोस के लोग भी घर पहुंच गए। वहीं इस मामले की जानकारी सिटी कोतवाली पुलिस को भी दी गई। मौके पर जवान पहुंचे।

बलरामपुर में भारी बारिश, नाले में उफान बहे मां-बेटे की मौत

बलरामपुर। जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में उफनते नाले को पार कर रहे मां-बेटे बह गए। दोनों का शव मंगलवार को बरामद हुआ है। आमगांव निवासी विशुन कोरवा की पत्नी रजनी पहाड़ी कोरवा (20) अपने 2 वर्षीय बेटे आनंद के साथ मायके रकैया गांव गई थी। बताया जा रहा है कि वहां से शाम करीब 6 से 7 बजे के बीच वह बेटे को लेकर पैदल ही लौट रही थी। दोनों गांव के बीच स्थित बढ़नी झरिया नाले में कमर तक पानी भरा था। बेटे को गोद में लेकर रजनी कोरवा नाला पार कर रही थी, तभी दोनों नाले के तेज बहाव में बह गए। ग्रामीणों ने मां-बेटे का शव घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में पड़ा देखा। सूचना शंकरगढ़ पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पंचनामा के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

एक प्रेमी ने प्रेमिका का गुस्सा एक दूसरे लड़के पर उतारा

भिलाई। प्रेमिका से हुए झगड़े का बदला लेने के लिए एक युवक ने अपने नाबालिग दोस्त के साथ मिलकर एक अन्य युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। यह सनसनीखेज घटना भिलाई के पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी साहिल सोना अपनी प्रेमिका से किसी बात को लेकर नाराज था। गुस्से में आकर उसने बदला लेने की नीयत से अपने नाबालिग दोस्त के साथ मिलकर नीरज वर्मा नामक युवक को निशाना बनाया। दोनों ने नीरज पर पहले हाथ-मुक्कों से हमला किया और फिर चाकू से गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायल नीरज को सुपेला स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है। पीड़ित युवक के पिता अजय वर्मा ने पुरानी भिलाई थाने में पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और नीरज द्वारा दिए गए हुलिए के आधार पर आरोपी साहिल सोना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। फिलहाल पुलिस नाबालिग सहयोगी की तलाश में जुटी हुई है। मामले की जांच जारी है।

हिस्ट्रीशीटर चढ़ा दुर्ग पुलिस के हत्थे, साथियों के साथ मिलकर की थी चोरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के अमलेश्वर थाना क्षेत्र में पिछले माह हुई एक चोरी के मामले में बिलासपुर का हिस्ट्रीशीटर अपने साथियों के साथ पकड़ाया है। बदमाश ने लोहे के रॉड से घर का ताला तोड़कर लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवरात चुराए थे। इस मामले में पुलिस ने एक खरीदार को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से सोने चांदी के जेवरात व घटना में इस्तेमाल बुलेट मोटरसाइकिल कुल कीमती 7 लाख 36 हजार रुपए बरामद किया है। पुलिस ने कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा है।

इस मामले में 19 मई 2025 को कबीर नगर अमलेश्वर निवासी मुकेश देवांगन ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने बताया कि 18 मई को घर का दरवाजा बंद कर परिवार सहित ससुराल चंगोरभाठा गया था। दूसरे दिन सुबह वापस लौटा तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था। आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर आदि कीमती लगभग 1लाख 90 हजार रुपए कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना अमलेश्वर में धारा 331 (4) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपियों की पतासाजी के दौरान तकनीकी सहयोग से जानकारी प्राप्त हुई कि थाना सरकण्डा बिलासपुर का निगरानी बदमाश रितेश पाण्डे उर्फ लुटू पाण्डे को उसके साथी सोहन पटेल, रायपुर के साथ बुलेट मोटर सायकल में घटना स्थल के पास घटना दिनांक को देखा गया था ।

गिरफ्तार आरोपी में रितेश उर्फ लुटू पाण्डे 26 वर्ष, सरकण्डा, बिलासपुर। सोहन पटेल 22 वर्ष, टिकरापारा, बिलासपुर। सुखनंदनलाल 55 वर्ष सिरगिट्टी, बिलासपुर। विनय पाण्डे, 53 वर्ष, सरकण्डा बिलासपुर। रमेश पटेल 29 वर्ष, गांधी चौक, बिलासपुर। संतोषी गोस्वामी, 45 वर्ष सिरगिट्टी बिलासपुर शामिल हैं।

रिश्तेदार के यहां छुपाया था चोरी का सामान

प्राप्त जानकारी के आधार पर टीम को बिलासपुर भेजा गया। जहां रितेश पाण्डे एवं सोहन पटेल को पकड़कर पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों ने बताया कि 18 मई की रात को वह अपने साथी लक्की यादव, तोरवा बिलासपुर के साथ अमलेश्वर के उक्त मकान का ताला तोड़कर चोरी की। चोरी का सामान संतोषी गोस्वामी के माध्यम से सिरगिट्टी निवासी सुखनंदन सोनी बेचे दिया। कुछ सामान रितेश अपने पिता विनय पाण्डे और सोहन पटेल ने अपने रिश्तेदार रमेश पटेल को छिपाने के लिए दिया। आरोपियों की निशानदेही पर सोने के जेवर 51 ग्राम, 430 मिग्रा कीमती 3 लाख 56 हजार, चांदी के जेवर 466 ग्राम कीमती 2 लाख 30 हजार एवं बुलेट मोटर सायकल 1 लाख 50 हजार कुल कीमती 7 लाख 36 हजार का मशरुका जब्त किया गया।

कुत्ते की चोरी, युवक गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राजधानी रायपुर में एक कुत्ता खो जाने का मामला सामने आया है। जहां पुरानी बस्ती पुलिस मंगलवार सुबह से ही परेशान थी। उसकी परेशानी का सबब और कुछ नहीं यहां गुम हुआ एक कुत्ते का बच्चा था। और पुलिस की इस परेशानी को सीसीटीवी कैमरे ने आसानी से दूर कर दिया। कैमरे के फुटेज की छानबीन करते हुए पुलिस ने कुत्ते के बच्चे को ढूंढ निकाला है । यह बच्चा जिला कलेक्टोरेट की एक महिला कर्मचारी के परिचित का है। डीडी नगर निवासी महिला कर्मी ने अपने यहां महंगी नस्ल के तीन से चार कुत्ते पाले हुए है। उनमें से एक कुतिया के एक बच्चे को अपने परिचित को दिया था। इसे सुबह किसी अज्ञात व्यक्ति ने चाकू की नोक पर डरा धमकाकर ले भागा। इसकी सूचना पर महिला कर्मी ने पुलिस की मदद ली। इस पर पुलिस ने कुत्ते के बच्चे की तलाश की। इसमें, इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे से बड़ी मदद मिली। इनके फुटेज में बच्चा लेकर भागे व्यक्ति को बीएसयूपी कालोनी भांठा गांव में ट्रेस कर पुलिस ने पकड़ा। उससे कुत्ते का बच्चा लेकर मैडम को सौंप दिया।

डिलीवरी ब्वॉय वाले को बंधक बनाकर पीटा, चार युवकों पर अपराध दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले में डिलीवरी ब्वॉय को दो युवकों ने बंधक बनाकर पीटने का मामला सामने आया है। युवक पार्सल छोड़ने गए थे। तभी पार्सल के रुपए मांगने की बात पर उन्हें 4 लोगों ने मिलकर कमरे में बंद कर बेल्ट और लकड़ी से पीटा। उनके पास रखे कैश, मोबाइल और बाइक को लूट लिया। घटना लैलूंगा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक गमेकेला का रहने वाला सावन पैंकरा (21) और उसका दोस्त नित्यानंद एक प्राइवेट डिलीवरी फर्म में पार्सल छोड़ने का काम करते हैं।

बुधवार को दोनों दोस्त इन्द्रानगर में रहने वाले सुमन सारथी को पार्सल छोड़ने के लिए गए थे। उनका दो पार्सल था। ऐसे में सुमन को पार्सल देने पर उसने एक पार्सल का रुपए दिया और दूसरे पार्सल का रुपए कुछ देर में आकर ले जाने बोला।तब सावन और नित्या वहां से चले गए और शाम को उसके पास फिर से रुपए लेने के लिए पहुंचे तो वहां मौजूद विक्की सारथी गुस्सा हो गया। रुपए कल लेना कहने लगा। ऐसे में सावन ने उसे बताया कि पार्सल का रुपए ऑफिस में जमा करना होता है। जिससे विक्की नाराज हो गया और उनके साथ मारपीट करने लगा। तब विक्की के तीन अन्य साथी आ गए और कमरे में ले जाकर बेल्ट व लकड़ी से चारों ने मिलकर उनकी जमकर पिटाई करना शुरू कर दिया।

इसके बाद उनके पास रखे डिलीवरी का 5 हजार रुपए, दो मोबाइल, बाइक को लूट लिया और करीब एक घंटे बाद उन्हें वहां से भगा दिया। मारपीट से सावन पैंकरा और नित्यानंद के हाथ, पैर में चोट पहुंची। घटना के बाद डर के कारण दोनों ने रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई, लेकिन उन्होंने अपने परिजनों को मामले की जानकारी दी। ऐसे में परिजनों के कहने पर सोमवार को सावन पैंकरा लैलूंगा थाने पहुंचा और मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई। जहां पुलिस ने विक्की समेत उसके 3 साथियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

डोडा के साथ तस्कर गिरफ्तार, लाखों का माल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राजधानी रायपुर में पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1.252 किलोग्राम डोडा, नगदी 1.90 लाख रुपये, तौल मशीन, कार, एक्टिवा और मोबाइल फोन सहित कुल 4.50 लाख रुपये का माल जब्त किया गया है। आरोपी राजस्थान का रहने वाला है, जो रायपुर में घुम-घुमकर डोडा की बिक्री कर रहा था।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा आमानाका थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर हीरापुर टाटीबंध स्थित छठ तालाब सूर्य मंदिर के पास एक कार को घेराबंदी कर रोका। कार में सवार व्यक्ति की पहचान ओमप्रकाश शर्मा उर्फ पप्पू (53 वर्ष), निवासी ग्राम रोजा, जिला झालावाड़, राजस्थान के रूप में हुई। तलाशी में कार से डोडा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह यह मादक पदार्थ राजस्थान से लाकर रायपुर में एक्टिवा और कार के जरिए खपतकर्ताओं तक पहुँचाता था। उसके पास मादक पदार्थ परिवहन व बिक्री से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला।

जब्त सामग्री में डोडा -1.252 किलोग्राम नगद रकम -1,90,540 तौल मशीन कार क्रमांक RJ17 CA 8552 एक्टिवा CG07 AE 5469 मोबाइल फोन पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना आमानाका में अपराध क्रमांक 216/25 धारा 15 NDPS एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। साथ ही फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक के आधार पर अन्य संभावित आरोपियों की तलाश भी शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई का नेतृत्व एएसपी (पश्चिम) डीआर पोर्ते, एएसपी (क्राइम) संदीप मित्तल, सीएसपी अमन कुमार झा, डीएसपी संजय सिंह, निरीक्षक सुनील दास और प्रभारी निरीक्षक परेश पांडेय के मार्गदर्शन में किया गया। टीम में शामिल अधिकारी में राजेन्द्र कंवर, फूलचंद भगत, वीरेंद्र भार्गव, जसवंत सोनी, मार्तंड सिंह, मुनीर रजा, लक्ष्मीनारायण साहू, हरजीत सिंह, अजय चौधरी, किसलय मिश्रा, विकास शर्मा, श्याम थावरे, दीपक पांडेय, आशीष शुक्ला और गुलशन चौबे शामिल हैं।

बाथरूम लगने का बहाना कर बाल अपराधी भागे

कोरबा। बाल संप्रेषण गृह से दो किशोर फरार हो गए। यह घटना 30 जून की सुबह 4 बजे की है। दोनों किशोर बाथरूम जाने के बहाने कमरे से निकले और रोशनदान की जाली तोड़कर भाग गए। फरार हुए किशोरों में एक 17 वर्षीय है, जिसे पॉक्सो और छेड़छाड़ के मामले में 16 जून को निरुद्ध किया गया था। दूसरा 16 वर्षीय किशोर चोरी और छिनतई के मामले में 19 जून से यहां था। एक किशोर जांजगीर-चांपा जिले का और दूसरा कोरबा पुलिस चौकी क्षेत्र का रहने वाला है। जांजगीर में इस तरह का यह पहला मामला नहीं है। वह पहले भी 5-6 बार यहां आ चुका है और एक बार रिसदी के संप्रेषण गृह से भाग चुका है। बाल संप्रेषण गृह को हाल ही में बालको थाना के सामने स्थित नए भवन में स्थानांतरित किया गया था।

राजनांदगांव में गोलीकांड: आरोपी एमपी में पकड़ाया

राजनादगांव। अवैध रेत खनन में गोलीकांड मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी कृष्णा उर्फ गोली गुर्जर को मध्यप्रदेश से गिरफ्तार कर के राजनांदगांव लेकर आई है। आरोपी के कब्जे से देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।

छत्तीसगढ़ में अवैध रेत खनन और परिवहन पर बेअसर कार्रवाई के बीच माफियाओं ने गोलीकांड को अंजाम दिया। घटना 11 जून की रात करीब 7 से 7:30 बजे के बीच की है, जब गांव मोहड़ नदी के किनारे अवैध रेत निकासी के लिए जेसीबी से रैम्प बनाया जा रहा था। इसका विरोध करने पहुंचे ग्रामीणों पर रेत माफियाओं ने हमला कर दिया और गोलियां चला दी। इस फायरिंग में रोशन मंडावी नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली उसके गले को छूते हुए निकल गई, जिसके बाद उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य दो ग्रामीण जितेन्द्र साहू और ओम प्रकाश साहू भी घायल हुए। घटना के बाद बसंतपुर थाना में बीएनएस की विभिन्न धाराओं सहित आर्म्स एक्ट और माइनिंग एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच में जुट गई। मामले में पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन पर संयुक्त 5 टीम टीम गठित की गई। लगातार आरोपियों की अलग-अलग ठिकाने उत्तर प्रदेश झॉसी, नागपुर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना आदि जगहों में दबिश दे रही थी।

बहन की स्कूटी का चालान कटा, नाराज युवक बैठा धरने पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। नगर पालिका कार्यालय के सामने मंगलवार शाम एक चालान को लेकर जमकर हंगामा हुआ। यातायात नियम उल्लंघन पर स्कूटी सवार युवती का चालान काटे जाने से नाराज उसका भाई शशांक ताम्रकार बीच सड़क पर ही धरने पर बैठ गया। युवक और पुलिसकर्मियों के बीच बहस और नोकझोंक हुई, जिससे कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित रहा।

पुलिस के अनुसार, हेलमेट और दस्तावेज जांच के दौरान स्कूटी सवार युवती के पास जरूरी कागजात अधूरे पाए गए थे, जिसके बाद चालान काटा गया।

चालान की जानकारी मिलने पर युवती का भाई मौके पर पहुंचा और पुलिस से बहस करने लगा। उसका आरोप था कि चालान के दौरान पुलिसकर्मियों ने उसकी बहन से गलत तरीके से बातचीत की और बदसलूकी की।

इसी बात से नाराज युवक सड़क पर बैठ गया और कार्रवाई रोकने की मांग करता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक का यह धरना चालान रद्द करवाने का दबाव बनाने के इरादे से किया गया था। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसमें युवक पुलिसकर्मियों से बहस करता और बीच सड़क पर नारेबाजी करते हुए बैठा नजर आ रहा है। हालांकि बाद में स्थानीय लोगों के समझाने और पुलिस द्वारा जांच का आश्वासन देने के बाद युवक ने धरना समाप्त कर दिया। फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर इलाके में चर्चा है कि क्या ट्रैफिक चालान जैसी कार्रवाई के विरोध में इस तरह सार्वजनिक सड़क पर धरना देना उचित है?

जशपुर पुलिस ने पकड़े बकरी चोर, कार से पहुंचते थे शातिर, चर रही बकरियां उठा ले जाते थे बादमाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

चर रही बकरियां उठा ले जाते थे बादमाश

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने बकरी चोर गिरोह को पकड़ने में सफलता पाई है। पुलिस ने इस मामले में तीन चोर व एक खरीदार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से चोरी की बकरियां व कार बरामद किया गया है। यह चोर इतने शातिर हैं कि चर रही बकरियों को कार से उठाकर ले जाते और सस्ते दाम में कसाई को बेच देते। मामला जशपुर के बागीचा थाना क्षेत्र का है।

दरअसल इस मामले में 30 जून को को ग्राम कुहापानी थाना बगीचा निवासी प्रार्थी सुरेश तिग्गा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि 29 जून को वह ग्राम कुहापानी में अपने घर से कुछ दूरी पर अपनी बकरियों को चरा रहा था। बकरियों से कुछ दूरी पर सड़क के पास खड़ा था कि इसी दौरान करीबन 3.00 बजे सकी बकरियों के पास अचानक एक ग्रे कलर की एक कार आकर रुकी, जिसमें से पांच व्यक्ति उतरे व उसकी दो नग बकरी व खस्सी को उठा कर कार से ले गए। प्रार्थी के द्वारा कार का पीछा किया गया, परंतु आरोपी तेजी से कार को दौड़ाकर भाग गए। प्रार्थी के द्वारा बकरी चोरी में प्रयुक्त कार का नंबर छत्त10ङ्क9456 नोट कर लिया गया था। रिपोर्ट पर पुलिस के द्वारा थाना बगीचा में बकरी चोरी के लिए बी एन एस की धारा 303(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया।

विवेचना दौरान पुलिस के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रार्थी के द्वारा बताए गए, संदेही कार नंबर की जानकारी, तत्काल पुलिस की टेक्निकल टीम को दी गई। साथ ही बकरी चोरी की घटना को लेकर पुलिस के मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया। पुलिस की टेक्निकल टीम से प्राप्त जानकारी व मुखबिर की सूचना से पुलिस की पता चला कि उक्त संदेही कार बटईकेला, नकना के पास देखी गई है और वह अंबिकापुर की ओर जा रही है। इसके बाद एसएसपी शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देश पर थाना बगीचा पुलिस की टीम के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त संदेही कार को ट्रेस कर पीछा किया जाने लगा।

जशपुर और अंबिकापुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

जशपुर पुलिस ने थाना प्रभारी मणिपुर जिला अंबिकापुर निरीक्षक अश्विनी सिंह से संपर्क कर उक्त संदेही वाहन की जानकारी देते हुए, नाकाबंदी हेतु सहयोग मांगा गया। अंततः अंबिकापुर दरिमा चौक के पास, बगीचा पुलिस व थाना मणिपुर जिला अंबिकापुर पुलिस की संयुक्त टीम को उक्त संदेही वाहन को पकड़ने में सफलता मिली। बगीचा पुलिस के द्वारा संदेही वाहन चालक आरोपी अजीत पैंकरा (22) निवासी बालमपुर, सुलपारा थाना सीतापुर जिला अंबिकापुर को हिरासत में लेकर वापस लाया गया।

पुलिस की पूछताछ पर पहले तो आरोपी अजीत पैंकरा ने पहले पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की लेकिन पुलिस के मनोवैज्ञानिक पूछताछ के आगे वह टूट गया और बताया कि उसके द्वारा ही अपने साथियों के साथ मिलकर कार से बकरी को चुराकर ले जाया गया था। चोरी की बकरी को सीतापुर निवासी नूअल्ला खान के पास बेच देना बताया। पुलिस के द्वारा आरोपी अजीत पैंकरा की निशानदेही पर मामले में शामिल दो आरोपी आशीष केरकेट्टा (20) निवासी तिलाईधार थाना सीतापुर जिला अंबिकापुर, अंकित तिग्गा (20) निवासी तिलाईधार थाना सीतापुर जिला अंबिकापुर व चोरी की बकरी खरीदने वाले आरोपी नुअल्ला खान (42) निवासी रायकेरा थाना सीतापुर जिला अंबिकापुर को हिरासत में ले लिया गया है। आरोपियों के कब्जे से दो नग चोरी की बकरी को भी बरामद कर लिया गया है। साथ बकरी चोरी में शामिल दो अन्य आरोपियों को भी पुलिस के द्वारा चिन्हित कर लिया गया है, जिन्हें शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एसएसपी ने पुलिस कर्मियों को नगद पुरस्कार देने की घोषणा की

मामले में आरोपियों के द्वारा अपराध स्वीकार करने व प्रयाप्त अपराध सबूत पाए जाने पर उन्हें विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। मामले की कार्यवाही व आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी बगीचा निरीक्षक संत लाल आयाम, थाना प्रभारी मणिपुर (जिला अंबिकापुर) निरीक्षक अश्विनी सिंह व उनकी टीम, सहायक उप निरीक्षक बैजन्ती किंडो, नरेन्द्र मिंज, प्रधान आरक्षक लक्ष्मण सिंह, आरक्षक मुकेश पांडे, बल्ली रवि व सुनील मिंज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि थाना प्रभारी बगीचा के द्वारा त्वरित गति व सुझबुझ से, अंबिकापुर पुलिस की सहयोग से आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली है, बाकी फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। एसएसपी ने कार्रवाई में शामिल पुलिस कर्मियों को नगद पुरस्कार देने की भी घोषणा की है।

मुख्यमंत्री साय ने वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 का किया शुभारंभ

इज ऑफ डूइंग बिजनेस में छत्तीसगढ़ बनेगा देश का अग्रणी राज्य

भारत का नया ग्रोथ इंजन बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है छत्तीसगढ़ - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

- मुख्यमंत्री साय ने वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 का किया शुभारंभ
- 1 लाख 23 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त : 20 हजार से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार
- लॉजिस्टिक नीति एवं जन विश्वास विधेयक से छत्तीसगढ़ में विकास को मिलेगी नई गति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग-2 के शुभारम्भ अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ अब केवल कोर सेक्टर तक सीमित नहीं, बल्कि सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फार्मा, डिफेंस, एयरोस्पेस और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे अत्याधुनिक उद्योगों का राष्ट्रीय केंद्र बनने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री साय ने निवेशकों का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति रोजगार और आर्थिक समृद्धि पर केंद्रित है। हम अपने राज्य को नक्सल प्रभावित अतीत से बाहर निकालकर देश का सबसे गतिशील औद्योगिक और तकनीकी हब बना रहे हैं। यह प्रदेश अब निवेश का सबसे आकर्षक गंतव्य बन चुका है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि एक दिन पूर्व ही आयोजित केबिनेट की बैठक में हमने छत्तीसगढ़ राज्य लॉजिस्टिक पॉलिसी-2025 के प्रारूप का अनुमोदन किया है। यह नीति छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय लॉजिस्टिक हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति देश की कनेक्टिविटी का केंद्र बिंदु है। यह नीति

लॉजिस्टिक सेक्टर और ई-कॉमर्स में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करेगी, निर्यात अधोसंरचना को मजबूत करेगी और सस्ती भंडारण सुविधाओं का विस्तार करेगी। लॉजिस्टिक नीति से राज्य में ड्राई पोर्ट, इनलैंड कंटेनर डिपो की स्थापना को प्रोत्साहन मिलेगा, उद्योग, व्यापार और किसानों को आधुनिक, सस्ती भंडारण और वितरण सुविधा प्राप्त होगी, लॉजिस्टिक लागत में कमी के माध्यम से व्यापार और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जन विश्वास विधेयक से व्यवसाय और नागरिक जीवन में अनावश्यक जटिलताएं दूर होंगी। कुछ कानूनों के प्रावधानों का गैर-अपराधीकरण करने से व्यवसायियों को बेवजह न्यायालयीन प्रकरणों में फंसने से राहत मिलेगी और न्यायिक खर्च में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से व्यापार व जीवनयापन में सहजता सुनिश्चित की जाएगी। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ सरकार का प्रयास है कि निवेशकों, उद्योगपतियों और नागरिकों के लिए ऐसा परिवेश बने जिसमें न्यूनतम बाधाएं हों और विकास के हर क्षेत्र में अधिकतम संभावनाएं खुलें।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में 350 से अधिक संरचनात्मक सुधार लागू किए गए हैं, जिनसे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और स्पीड ऑफ डूइंग बिजनेस में अभूतपूर्व सुधार हुआ। प्रदेश में निवेश का वातावरण इतना सशक्त हुआ कि सिर्फ छह महीनों में साढ़े पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जो छत्तीसगढ़ के औद्योगिक इतिहास में रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु में आयोजित इंवेस्टर्स समिट से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों ने भारी उत्साह दिखाया। दिल्ली समिट में 15,184 करोड़ रूपए, मुंबई में 6,000 करोड़ रूपए और बेंगलुरु में ऊर्जा क्षेत्र में वृहद निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। छत्तीसगढ़ ने वित्तीय वर्ष 2025 में 1,63,749 करोड़ रूपए का निवेश आकर्षित किया, जो भारत के कुल निवेश का 3.71 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि पॉलीमैटेक कंपनी को सेमीकंडक्टर निवेश के लिए मात्र तीन महीनों में ज़मीन आवंटित कर एनओसी जारी की गई और अब कंपनी ने 1,143 करोड़ रूपए के प्रोजेक्ट पर कार्य आरंभ कर दिया है, जहां प्रतिवर्ष 10 अरब चिप उत्पादन का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य नवा रायपुर को सिलिकॉन वैली ऑफ छत्तीसगढ़' के रूप में स्थापित करना है। निवेशकों की सुविधा के लिए सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 विकसित किया गया है। यह प्रणाली ऑनलाइन आवेदन, विभागीय अनुमोदन और सब्सिडी वितरण को एकीकृत करती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी व्यवस्था इतनी पारदर्शी और तेज़ है कि उद्योग स्थापना की सभी स्वीकृतियां एक क्लिक में प्राप्त हो सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नक्सल समस्या के स्थायी समाधान के प्रति सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश में चल रहे व्यापक विकास और सुरक्षा अभियानों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। सरकार का लक्ष्य मार्च 2026 तक नक्सल समस्या का संपूर्ण उन्मूलन सुनिश्चित करना है, ताकि सभी प्रभावित क्षेत्रों में शांति, स्थिरता और विकास की नई शुरुआत हो सके।

मुख्यमंत्री साय ने वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 का शुभारंभ किया। इससे अनुमतियों में लगने वाला समय घटकर रिकॉर्ड समय में आएगा। यह इज ऑफ डूइंग बिजनेस में छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करेगा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार उद्योगों के लिए सरल, पारदर्शी और तेज प्रक्रियाओं को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 के माध्यम से निवेशकों को आवश्यक स्वीकृतियाँ अब न्यूनतम समय में प्राप्त होंगी, जिससे प्रदेश में निवेश का माहौल और मजबूत होगा।

उन्होंने भरोसा जताया कि नई औद्योगिक नीतियों और सहज अनुमतियों की व्यवस्था से छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में अपनी अलग पहचान बनाएगा। उद्योग मंत्री देवांगन ने उपस्थित उद्यमियों से अपील की कि वे छत्तीसगढ़ में निवेश कर रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। नवीन औद्योगिक क्षेत्रों और पार्कों में भू खंड ऑनलाइन आबंटन हेतु उपलब्ध कराए गए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 11 प्रमुख कंपनियों से प्राप्त 1 लाख 23 हजार 73 करोड़ के निवेश प्रस्ताव के लिए उन्हें इनविटेशन टू इन्वेस्ट पत्र सौंपा, जिससे 20 हजार 627 लोगों को रोजगार मिल सकेगा। जिन निवेशकों को इनविटेशन टू इन्वेस्ट पत्र सौंपा गया उनमें मेसर्स सारडा हाइड्रोपावर रायपुर, मेसर्स आर्टिफिशियल इलेक्ट्रॉनिक्स इंटेलिजेंस मटेरियल्स लिमिटेड चेंगापट्टू तमिलनाडु, मेसर्स केजेएसएल कोल एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड कोरबा, मेसर्स जुपिटर इंटरनेशनल लिमिटेड कोलकाता, मेसर्स ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड नासिक महाराष्ट्र, मेसर्स करमवीर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड मेरठ उत्तरप्रदेश, मेसर्स एसजी ग्रीन बिल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली, मेसर्स जिंदल स्टील छत्तीसगढ़ लिमिटेड रायगढ़, मेसर्स जिंदल पावर लिमिटेड (थर्मल पावर), मेसर्स जिंदल पावर लिमिटेड (सोलर पावर) और मेसर्स वीटेक प्लास्टिक प्राईवेट लिमिटेड शामिल हैं।

कार्यक्रम में मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, सीएसआईडीसी के चेयरमैन राजीव अग्रवाल, सीएसआईडीसी के प्रबंध निदेशक विश्वेश कुमार, सीजी स्पंज आयरन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार मंडल तथा लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंघानिया सहित अनेक उद्योग प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कनेक्टिविटी और अधोसंरचना में क्रांतिकारी पहल

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि रावघाट से जगदलपुर तक 3,500 करोड़ रूपए की रेललाइन की मंजूरी मिल चुकी है। कोठागुडेम से किरंदुल तक रेललाइन पर सर्वे शुरू हो गया है और खरसिया-परमालकसा रेललाइन औद्योगिक केंद्रों को जोड़ेगी। जलमार्ग संबलपुर से नवा रायपुर तक आरंभ होगा। एयर कार्गो सेवाएं भी सक्रिय हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में एआई डाटा सेंटर पार्क देश का पहला पार्क है। फार्मा सेक्टर में फार्मा हब और मेडिसिटी का निर्माण हो रहा है। टेक्सटाइल और फ र्मा में विशेष अनुदान उपलब्ध हैं।

युवाओं को अवसर, निवेशकों को विश्वास

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नई औद्योगिक नीति में अगले पांच वर्षों में 5 लाख से अधिक रोजगार सृजित करने का रोडमैप है। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल, फ़ार्मा, एआई, डिफेंस, ऊर्जा और मेडिकल टूरिज्म - इन सभी क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ अगले दशक की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मैं सभी उद्यमियों से आग्रह करता हूं कि छत्तीसगढ़ में निवेश करें। यहां हर सुविधा और भरोसे के साथ विकास में सहभागी बनें। हम मिलकर विकसित भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ की अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करेंगे।

बस्तर और सरगुजा : विकास की नई गाथा

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी नक्सलवाद से प्रभावित बस्तर अब 'विकसित बस्तर' के सपने को साकार कर रहा है। 90,000 युवाओं को कौशल विकास और 40,000 से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। वहां विशेष निवेश प्रोत्साहन भी दिए जा रहे हैं। बस्तर में अंतरराष्ट्रीय मान्यता के लिए बस्तर दशहरा का पंजीकरण कराया जा रहा है। तीरथगढ़ ग्लास ब्रिज और बस्तर टूरिज्म सर्किट विकसित किए जा रहे हैं। आदिवासी उद्यमियों के लिए रॉयल्टी रिइंबर्समेंट और सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

"मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई–बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।"
– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

बेमिसाल खेती की मिसाल बनाओ
फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की उपलब्धियाँ

- 23+ करोड़ किसान भाई-बहनों को अब तक मिला फसल बीमा का लाभ
- ₹ 1.75+ लाख करोड़ के दावों का भुगतान किसानों को किया
- 78+ करोड़ से अधिक किसान आवेदन प्राप्त
- राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल द्वारा पारदर्शी एवं त्वरित दावा भुगतान

पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2025

फसल बीमा सप्ताह 1-7 जुलाई, 2025 पीएमएफबीवाई

देशव्यापी हेल्पलाइन 14447

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

बीमा भागीदार: AIC, Bajaj Allianz, Chola MS, Future Generali, HDFC ERGO, ICICI Lombard, IFFCO-TOKIO, Kshema, Oriental Insurance, Reliance General Insurance, SBI general, TATA AIG, Universal Sompo General Insurance

अपनी फसलों को आज ही बीमित करने के लिए संपर्क करें

जनसेवा केंद्र | क्रॉप इंश्योरेंस ऐप https://play.google.com | पोस्ट ऑफिस | बैंक शाखा

@PMFBY

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950